Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 186 | बुधवार, 15 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

होर्मुज में भारतीय नागरिक की मौत पर केंद्र सरकार का एक्शन, ईरानी अधिकारियों को किया तलब

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने ओमान के तट पर व्यापारिक जहाजों पर हाल ही में हुए हमलों को लेकर ईरानी राजनयिकों (जिनमें डिप्टी चीफ ऑफ मिशन मोहम्मद जवाद होसैनी भी शामिल हैं) को तलब किया है। इस हमले में भारतीय नाविक की हत्या हुई है।

विदेश मंत्रालय ने इलाके में कमर्शियल जहाजों पर हाल ही में हुए हमलों को लेकर ईरानी राजनयिकों (जिनमें डिप्टी चीफ ऑफ मिशन मोहम्मद जवाद होसैनी भी शामिल हैं) को तलब किया।

बिना बयान दिए हुए रवाना

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव और वैश्विक ऊर्जा परिवहन के प्रमुख मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों के आवागमन पर मंडराते खतरों के बीच यह तलब जारी की गई है। बैइस अहम बैठक के बाद उप प्रमुख मोहम्मद जवाद हुसैनी और अन्य ईरानी राजनयिक बिना कोई सार्वजनिक बयान दिए वहां से रवाना हो गए। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच यह राजनयिक प्रयास हुए हैं।

ईरानी दूतावास से मांगा जवाब

यह राजनयिक कदम ओमान के समुद्री क्षेत्र में होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे संयुक्त अरब अमीरात के ध्वज वाले दो टैंकरों पर हुए हमले के बाद उठाया गया है। इसमें एक भारतीय चालक दल के सदस्य की मौत हो गई। वहीं, भारतीय नागरिकों सहित कई अन्य घायल हो गए। भारत ने ईरानी दूतावास से स्पष्टीकरण मांगा और हमले पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की।

ईरान के हमलों यूएई ने क्या कहा?

यूएई ने ईरान के इन हमलों की कड़ी निंदा की। इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन करार दिया है। इसके साथ ही इस तरह के हमलों को क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। यूएई ने कहा, 'हमारे पास इस तनाव को बढ़ाने वाली कार्रवाई का जवाब देने का पूरा अधिकार है।

नितिन नबीन ने भाजपा प्रत्याशी नीरज सिन्हा को बताया समर्पित कार्यकर्ता, दिया पूरा समर्थन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव से पहले, पूर्व बांकीपुर विधायक और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी के उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा पर भरोसा जताया। नवीन ने सिन्हा को 'समर्पित कार्यकर्ता' बताया और उम्मीद जताई कि वे अपने क्षेत्र के लोगों का भरोसा और आशीर्वाद जीतेंगे। मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए नबिन ने कहा कि मैं यहां अपने इलाके के लोगों के साथ खड़ा हूं क्योंकि एक कार्यकर्ता और (पूर्व) विधायक के तौर पर मैं उनके प्रति जवाबदेह हूं। मुझे खुशी है कि बीजेपी ने बांकीपुर के लोगों की सेवा करने का मौका एक मंडल अध्यक्ष को दिया है। मुझे उम्मीद है कि हमारी पार्टी के जिस कार्यकर्ता को यहां से चुनाव लड़ने का मौका मिला है, उसे बांकीपुर के लोगों का आशीर्वाद मिलेगा और वह उनकी सेवा करेगा। बांकीपुर से चार बार विधायक रहे नवीन ने अपने अनुभव को याद करते हुए अपनी सफलता का श्रेय स्थानीय लोगों के समर्थन को दिया। उन्होंने कहा कि मैंने भी इस इलाके के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर 20 साल बिताए हैं। उनके सुख-दुख में साथ रहते हुए, मैंने उनके साथ काम करना और काम को आगे बढ़ाना सीखा है। मैं हमेशा कहता हूं कि मेरे चुनाव क्षेत्र के कार्यकताओं और जनता ने ही मुझे काम करना सिखाया है, और अगर आज मैं इस मुकाम पर पहुंचा हूं, तो यह मेरे चुनाव क्षेत्र के लोगों के आशीर्वाद और प्यार की वजह से ही संभव हुआ है।

एनसीपी में थम नहीं रही अंदरूनी कलह! सुनेत्रा पवार के अध्यक्ष बनते ही वरिष्ठ नेता ने खोला मोर्चा, चुनाव प्रक्रिया को बताया अवैध

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के सियासी गलियारों में एक बार फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के भीतर का अंतर्विरोध खुलकर सामने आ गया है। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री और दिवंगत नेता अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने के बाद NCP में अंदरूनी कलह तेज हो गई है। पार्टी के ही एक वरिष्ठ नेता ने इस चुनाव प्रक्रिया की वैधता को चुनौती देते हुए इसे पूरी तरह 'असंवैधानिक' करार दिया है और 15 दिनों के भीतर नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की है। NCP के राष्ट्रीय सचिव सच्चिदानंद सिंह ने सुनेत्रा पवार के अध्यक्ष चुने जाने के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने दिल्ली की एक प्रतिष्ठित लॉ फर्म 'ARS एसोसिएट्स' के जरिए 9 जुलाई को पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को एक कानूनी नोटिस भेजा है। इस नोटिस में दावा किया गया है कि इस साल 26 फरवरी को हुआ राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव असंवैधानिक था, इसलिए इसे तत्काल प्रभाव से 'अमान्य, शून्य और निष्प्रभावी' घोषित किया जाना चाहिए। यह कानूनी नोटिस खुद सुनेत्रा पवार, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और महासचिव बृजमोहन श्रीवास्तव को भेजा गया है।

सुनेत्रा पवार, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और महासचिव बृजमोहन श्रीवास्तव को भेजे गए नोटिस में आरोप लगाया गया कि चुनाव प्रक्रिया NCP पार्टी के संविधान के अनिवार्य प्रावधानों का पालन किए बिना और प्रतिनिधियों तथा पदाधिकारियों को उचित सूचना दिए बिना शुरू की गई थी। नोटिस के अनुसार, 28 जनवरी को तत्कालीन NCP अध्यक्ष अजीत पवार के निधन के बाद, पार्टी ने चुनाव आयोग को सूचित किया था कि नया प्रमुख चुने जाने तक पटेल कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में काम करेंगे।

सुनेत्रा पवार के चुनाव को चुनौती देने का कारण क्या है?

यह कानूनी विवाद 28 जनवरी, 2026 को अजीत पवार की मृत्यु के बाद शुरू हुआ। सिंह के अनुसार, पार्टी ने 17 फरवरी, 2026 को चुनाव आयोग को एक संशोधित संविधान सौंपा था। इसके तहत, राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने तक कार्यवाहक अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल को अध्यक्ष की सभी शक्तियां दी गई थीं। सिंह का तर्क है कि संशोधित संविधान के अनुसार, केवल प्रफुल्ल पटेल को ही राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुलाने का अधिकार था। ऐसे में पार्टी महासचिव बृजमोहन श्रीवास्तव ने 26 फरवरी को बैठक कैसे बुला ली? उन्होंने नोटिस में यह भी आरोप लगाया कि 18 फरवरी को चुनाव आयोग को नेशनल एग्जीक्यूटिव की बैठक बुलाने के लिए जो पत्र भेजा गया था, उसे उस समय के एग्जीक्यूटिव सदस्यों ने मंजूरी नहीं दी थी। इससे बाद में हुए चुनावों की वैधता पर सवाल उठते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बाद श्रीवास्तव ने नेशनल कन्वेंशन बुलाया और चुनाव प्रक्रिया शुरू कर दी, जबकि उनके पास ऐसा करने का संवैधानिक अधिकार नहीं था। नोटिस में दावा किया गया, 'पार्टी के संविधान के मुताबिक कोई भी सही तरीके से गठित केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण, रिटर्निंग ऑफिसर या चुनाव कैलेंडर नहीं बनाया गया था। डेलीगेट्स को उम्मीदवार नॉमिनेट करने, चुनाव लड़ने या वोट देने का मौका नहीं दिया गया।'

सिंह ने चुनाव आयोग को भेजे गए पार्टी के कम्युनिकेशन को वापस लेने की मांग की

सिंह ने मांग की है कि इस साल 28 फरवरी, 10 मार्च और 29 अप्रैल को चुनाव आयोग को भेजे गए पार्टी के कम्युनिकेशन को वापस लिया जाए, जिनमें चुनाव और पदाधिकारियों का ज़िक्र था। साथ ही, उन्होंने एक स्वतंत्र चुनाव प्राधिकरण के तहत नए सिरे से संगठनात्मक चुनाव कराने की मांग की है। नोटिस में पार्टी लीडरशिप को इन मांगों को पूरा करने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। ऐसा न करने पर याचिकाकर्ता ने आगे कानूनी कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखा है। संपर्क करने पर NCP के प्रवक्ता सूरज चव्हाण ने कहा कि सिंह 26 फरवरी को नेशनल कन्वेंशन में मौजूद थे और उन्होंने हाथ उठाकर सुनेत्रा पवार के पक्ष में वोट दिया था। चव्हाण ने जोर देकर कहा, 'उनके चुनाव में सभी नियमों का पालन किया गया था।'

अंकित शर्मा के हत्यारे ताहिर हुसैन का बचाव करने वाले नेता कब न्याय के कठघरे में आएंगे?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। छह वर्ष से अधिक समय तक चली कानूनी प्रक्रिया के बाद आखिरकार दिल्ली की अदालत ने गुप्तचर ब्यूरो के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को दोषी ठहरा दिया। अदालत ने ताहिर हुसैन के साथ नाजिम, कासिम, जावेद और अनस को भी दोषी माना, जबकि साक्ष्य के अभाव में छह अन्य आरोपियों को बरी कर दिया। ताहिर हुसैन को हत्या, विभिन्न समुदायों के बीच वैमनस्य फैलाने, दंगा करने और आपराधिक बल प्रयोग जैसे अपराधों में दोषी ठहराया गया। हालांकि उसके विरुद्ध आपराधिक साजिश का आरोप सिद्ध नहीं हो सका। अदालत का फैसला सुनाए जाने के बाद ताहिर हुसैन अदालत कक्ष में रो पड़ा, लेकिन यह आंसू उस परिवार का दर्द नहीं मिटा सकते जिसने अपने बेटे को बेहद निर्मम तरीके से खो दिया।

हम आपको याद दिला दें कि यह मामला 25 फरवरी 2020 की उस भयावह दोपहर से जुड़ा है, जब गुप्तचर ब्यूरो के अधिकारी अंकित शर्मा ड्यूटी से घर लौटने के बाद दोबारा बाहर निकले और फिर कभी वापस नहीं आए। परिवार उनकी तलाश करता रहा। बाद में स्थानीय लोगों ने सूचना दी कि उनकी हत्या कर दी गई है और शव को चांद बाग पुलिया के पास खजूरी खास नाले में फेंक दिया गया है। बाद में नाले से उनका शव बरामद हुआ। अंकित शर्मा के पिता रविंदर कुमार ने दयालपुर थाने में दर्ज शिकायत में आरोप लगाया था कि उस समय के आम आदमी पार्टी पार्षद ताहिर हुसैन और उसके साथियों ने पहले अपने दफ्तर में जुटान किया, फिर अंकित शर्मा की हत्या कर शव को नाले में फेंक दिया। इस मामले में कुल ग्यारह लोगों के खिलाफ मुकदमा चला। मार्च 2023 में अदालत ने सभी आरोपियों पर दंगा, घातक हथियारों के साथ दंगा, विभिन्न समुदायों के बीच वैमनस्य फैलाने, हत्या, आपराधिक साजिश और अन्य गंभीर धाराओं के तहत आरोप तय किए थे।

ताहिर हुसैन पर सार्वजनिक अशांति फैलाने और अपराध के लिए उकसाने से जुड़े अतिरिक्त आरोप भी लगाए गए थे। अब अदालत ने पांच लोगों को दोषी ठहराया है, जबकि छह आरोपियों को पर्याप्त साक्ष्य न होने के कारण बरी कर दिया। इस फैसले के बाद दिल्ली दंगों की जांच की निगरानी करने वाले तत्कालीन विशेष पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा ने कहा कि अदालत का निर्णय पुलिस जांच की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर मुहर है। उन्होंने कहा कि दंगों के दौरान पुलिस का पहला दायित्व कानून व्यवस्था बनाए रखना था और साथ ही निष्पक्ष तथा साक्ष्य आधारित जांच करना भी था। उन्होंने कहा कि जांच दल ने जो मेहनत की थी, वह न्यायिक जांच की कसौटी पर खरी उतरी और दंगों के सभी दोषियों को कानून के दायरे में लाने की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। हम आपको याद दिला दें कि अंकित शर्मा की हत्या उत्तर पूर्वी दिल्ली में नागरिकता संशोधन कानून के विरोध प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा के बीच हुई थी। पत्थरबाजी, आगजनी और तोड़फोड़ से भड़की इस हिंसा में 53 लोगों की जान गई थी और अनेक लोग घायल हुए थे। ऐसे में अंकित शर्मा हत्याकांड पूरे दंगा प्रकरण का सबसे चर्चित और संवेदनशील मामला बन गया था। अब अदालत का यह फैसला उन सबसे महत्वपूर्ण न्यायिक निष्कर्षों में शामिल हो गया है, जिनका संबंध दिल्ली दंगों से है। सजा की अवधि पर फैसला अभी अलग से सुनाया जाना बाकी है। लेकिन इस फैसले ने केवल ताहिर हुसैन को कठघरे में नहीं खड़ा किया है। इसने उन नेताओं की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिन्होंने वर्षों तक ताहिर हुसैन का प्रत्यक्ष या परोक्ष बचाव किया। जब हत्या जैसा गंभीर मामला सामने था, तब आम आदमी पार्टी के अनेक नेताओं ने राजनीतिक ढाल खड़ी करने की कोशिश की। आज अदालत के फैसले के बाद वे सारे तर्क बिखरते दिखाई दे रहे हैं। फैसले के बाद भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी और

टीईटी पेपर लीक: फड़णवीस का राहुल गांधी को दो टूक, विदेश से नहीं, भारत आकर पूछें

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 14 जुलाई को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की 'टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट' (TET) 2026 पेपर लीक मामले पर की गई टिप्पणियों की आलोचना की। फडणवीस ने सवाल उठाया कि क्या राहुल गांधी भारत में मौजूद रहकर जानकारी मांग रहे थे या विदेश से सोशल मीडिया के जरिए जवाब मांग रहे थे। राहुल गांधी ने कहा था कि पेपर लीक होने के कारण TET 2026 परीक्षा रद्द होने से लगभग छह लाख उम्मीदवार अनिश्चितता की स्थिति में हैं और परीक्षा की कोई नई तारीख भी घोषित नहीं की गई है।

मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा कि मैं राहुल गांधी को बताना चाहता हूं कि इस मामले की जांच हो चुकी है और कार्रवाई भी की गई है। मैं उन्हें यह भी बताना चाहता हूं कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। सबसे अहम बात यह है कि क्या राहुल गांधी यह जानकारी हमारे देश–भारत–में रहकर मांग रहे हैं या फिर विदेश में कहीं बैठकर सोशल मीडिया के जरिए जवाब मांग रहे हैं।

14 जुलाई को राहुल गांधी ने पर लिखा कि महाराष्ट्र TET का पेपर लीक हो गया, परीक्षा रद्द कर दी गई। 6 लाख उम्मीदवार अधर में लटके हुए हैं।

दो हफ़्ते बीत चुके हैं, लेकिन नई तारीख का कोई अता-पता नहीं है। महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद (MSCE) ने पूरे राज्य में 28 जून को होने वाली TET परीक्षा को टाल दिया है। यह फैसला भिवंडी में पुलिस जांच के दौरान कथित तौर पर प्रश्न पत्र लीक होने का मामला सामने आने के बाद लिया गया।

यह परीक्षा पूरे महाराष्ट्र में 1,028 केंद्रों पर आयोजित की जानी थी। MSCE ने एक सार्वजनिक सूचना में कहा कि TET 2026 परीक्षा के दौरान हुई गड़बड़ियों के बाद सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, फिर भी शनिवार सुबह मिली गोपनीय जानकारी से पता चला कि भिवंडी में कुछ लोगों को कथित तौर पर TET प्रश्न पत्र की जानकारी पहले से ही थी।

भोजशाला परिसर में नमाज पर रोक जारी, राज्य सरकार को परिसर के पास नई जगह देने का निर्देश

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला मामले पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ विभिन्न मुस्लिम पक्षों द्वारा दायर याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने याचिकाओं पर फिलहाल कोई अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया और हाईकोर्ट के फैसले से पूर्व की स्थिति बहाल करने से इनकार कर दिया। जिसके चलते अभी भोजशाला परिसर में नमाज पर रोक जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस तथा अन्य हिंदू पक्षकारों को नोटिस जारी किया।

अदालत ने क्या दिया निर्देश?

पीठ ने हालांकि राज्य सरकार को निर्देश दिया कि मुस्लिम पक्ष को भोजशाला के पास ही अलग जगह दी जाए, जहां मुस्लिम शुक्रवार को दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच नमाज अदा कर सकें। पीठ ने साफ किया कि अंतिम फैसले तक यह निर्देश अस्थायी है। मुस्लिम पक्ष के वकील हुजैफा अहमदी की याचिका को स्वीकार करते हुए पीठ ने निर्देश दिया कि एएसआई, बिना अदालत की मंजूरी के भोजशाला परिसर में ढांचागत बदलाव नहीं करेगा।

मुस्लिम पक्ष ने दी ये दलीलें

अदालत ने यह भी कहा कि मामले को अंतिम सुनवाई के लिए शीघ्र सूचीबद्ध किया जाएगा। पीठ ने कहा कि वे इस मामले पर जुलाई के तीसरे हफ्ते में अंतिम सुनवाई कर सकते हैं। सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष के वकील हुजैफा अहमदी ने कहा कि हाईकोर्ट ने उन्हें सुप्रीम कोर्ट में अपील का मौका भी नहीं दिया। साल 2003 में एएसआई ने आदेश दिया था कि हफ्ते में एक दिन शुक्रवार को नमाज अदा की जाएगी और एक दिन मंगलवार को पूजा होगी। आज हमें पूरी तरह से बाहर कर दिया गया है? ये बहुत गलत है।

मुस्लिम पक्ष के वकील ने कहा कि एएसआई की रिपोर्ट करने वाले लोगों से पूछताछ भी नहीं की गई। हुजैफा ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक की मांग की। वरिष्ठ वकील सिंघवी ने कहा कि कुछ जगहों पर मंदिर हो सकते हैं, लेकिन इतिहास में पीछे जाने की जरूरत नहीं है। सिंघवी ने कहा, यहां 700 वर्षों से यहां नमाज हो रही है। 1927 -28 के सर्वे में कहा गया कि ये एक मस्जिद है। एमपी वक्फ एक्ट का नोटिफिकेशन भी यही कहता है।

महुआ मोइत्रा, उद्धव ठाकरे की सोनम वांगचुक से अपील, बोले- सरकार को आपकी परवाह नहीं, अनशन छोड़ें

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मंगलवार को क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल खत्म करने की मांगें बढ़ गईं, क्योंकि 'कॉकरोच जनता पार्टी' के फाउंडर अभिजीत दिपके ने उनकी सेहत के बारे में जानकारी दी। दिपके ने पर बताया कि वांगचुक के शरीर की मांसपेशियां कम होने लगी हैं और उन्हें बहुत ज्यादा दर्द हो रहा है। CJP के फाउंडर ने बताया कि वांगचुक का वजन 8.5 किलो कम हो गया है और उनका ब्लड प्रेशर 109/70 है। दिपके ने वांगचुक के साथ हुई अपनी एक छोटी सी बातचीत का ज़िक्र किया, जिसमें उन्होंने वांगचुक से भूख हड़ताल खत्म करने की गुजारिश की थी। उनके शरीर की मांसपेशियां कम होने लगी हैं और उन्हें बहुत दर्द हो रहा है। बाकी लोगों की तरह, मैंने भी उनसे अपना अनशन खत्म करने की विनती की। उन्होंने शांति से जवाब दिया कि मुझसे अनशन खत्म करने के लिए मत कहिए। सरकार से पूछिए कि वे बातचीत क्यों नहीं कर रहे हैं। आज (मंगलवार, 14 जुलाई) वांगचुक की भूख हड़ताल का 17वां दिन है और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ CJP के विरोध-प्रदर्शन का 25वां दिन है। दिपके ने कहा कि मैं सरकार से गुजारिश करता हूँ कि इसे अहंकार की लड़ाई न बनाए, क्योंकि यहाँ इंसानी जानें दांव पर लगी हैं। अपनी गलती मानना कमजोरी की निशानी नहीं है। यह परिपक्वता, जवाबदेही और अपनी गलती सुधारने की इच्छाशक्ति की निशानी है। छुट्टियांव मौसमी आयोजन वांगचुक और CJP संगठन को सभी राजनीतिक दलों के नेताओं का समर्थन मिला है। TMC नेता महुआ मोइत्रा ने भी क्लाइमेट लीडर से अपनी भूख हड़ताल खत्म करने और विरोध जारी रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि सोनम सर, आपके उपवास ने इस देश के युवाओं को न्याय की लड़ाई के लिए एकजुट कर दिया है। आपका मकसद पूरा हो गया है। सरकार को आपकी या करोड़ों युवाओं की ज़िंदगी की कोई परवाह नहीं है। लेकिन आपकी ज़िंदगी हमारे लिए मायने रखती है। प्लीज उपवास खत्म करें और लड़ाई जारी रखें। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी सोमवार को विरोध स्थल का दौरा किया और आंदोलन के प्रति एकजुटता जताई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भी इस संगठन और उनके मकसद को अपना समर्थन दिया। पर एक पोस्ट में ठाकरे ने कहा कि हम, शिवसेना की ओर से, सोनम वांगचुक और अभिजीत दिपके के आंदोलन को अपना समर्थन देने की घोषणा करते हैं। हालांकि, उन्होंने वांगचुक से अपनी भूख हड़ताल वापस लेने की अपील भी की। दिपके ने पर शिवसेना नेता के साथ हुई बातचीत की जानकारी साझा की और उनकी संवेदना तथा इस मुश्किल समय में CJP के साथ खड़े रहने के लिए उनका धन्यवाद किया।

संपादक की कलम से

लॉर्ड्स में लिखा भारतीय महिला क्रिकेट का स्वर्णिम इतिहास

ललित शर्मा
संपादक

क्रिकेट की दुनिया में यदि किसी मैदान को खेल का तीर्थ कहा जाए, तो वह लॉर्ड्स है। यहां जीत केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि सर्वोच्च गौरव का प्रतीक मानी जाती है। इसी ऐतिहासिक धरती पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऐसा स्वर्णिम इतिहास रचा, जिसने केवल रिकॉर्ड नहीं बदले, बल्कि विश्व क्रिकेट की सोच को भी नई दिशा दी। इंग्लैंड जैसी सशक्त टीम को 270 रनों के विशाल अंतर से पराजित कर भारतीय शेरनियों ने साबित कर दिया कि महिला क्रिकेट अब संभावनाओं का नहीं, उत्कृष्टता का पर्याय बन चुका है। यह जीत महज एक टेस्ट मुकाबले की सफलता नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष, अथक परिश्रम, अटूट विश्वास और निरंतर साधना का प्रतिफल है। इस ऐतिहासिक क्षण ने करोड़ों भारतीयों के हृदय को गर्व से भर दिया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अमिट अध्याय लिख दिया। शुरूआत से ही भारतीय टीम ने मैच पर अपना वर्चस्व स्थापित कर दिया था। गेंदबाजों ने इंग्लैंड की मजबूत बल्लेबाजी को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। खासकर भारतीय स्पिन आक्रमण ने अपनी सटीकता और विविधता से मेजबान बल्लेबाजों को पूरी तरह जकड़ लिया। हर विकेट के साथ भारत का आत्मविश्वास बढ़ता गया और इंग्लैंड का प्रतिरोध कमजोर पड़ता गया। बल्लेबाजी में स्मृति मंधाना की उपयोगी पारी और यस्तिका भाटिया के शानदार शतक (113) ने मजबूत आधार तैयार किया, जबकि मध्यक्रम की महत्वपूर्ण साझेदारियों (ऋचा घोष की नाबाद 50 रन की पारी सहित) ने बढ़त को निर्णायक बना दिया। बल्लेबाजों ने संयम और आक्रामकता का संतुलन दिखाया, वहीं गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन से साबित कर दिया कि भारतीय महिला टीम अब हर विभाग में परिपक्व, संतुलित और किसी भी चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार है। जीत को इतिहास में बदलने का क्षण चौथे दिन आया। भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड की दूसरी पारी को मात्र 186 रनों पर समेटकर 270 रनों की ऐतिहासिक विजय पर मुहर लगा दी। यह सफलता किसी एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि सामूहिक समर्पण, सटीक रणनीति और अनुशासित खेल की जीत थी। हर खिलाड़ी ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई, जो टीम की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी। कप्तान की सूझबूझ, गेंदबाजों का प्रभावी उपयोग, सटीक क्षेत्ररक्षण और शानदार तालमेल ने इंग्लैंड को पूरे मैच में दबाव में रखा। मानसिक दृढ़ता और तकनीकी श्रेष्ठता के बल पर भारतीय टीम हर मोर्चे पर मेजबानों पर भारी रही। इस प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि भारतीय महिला टीम अब दुनिया की किसी भी मजबूत टीम को उसकी सरजमीं पर हराने का दम रखती है। टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाली क्रांति गौड़ के 5/37 (पहली पारी) और स्नेह राणा के 4 विकेट (दूसरी पारी) ने इंग्लैंड को चित किया। इस जीत का सबसे गौरवपूर्ण पक्ष यह रहा कि भारतीय महिला टीम ने पहली बार लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर टेस्ट जीत का परचम लहराया। भारतीय पुरुष टीम इस मैदान पर कई यादगार सफलताएं हासिल कर चुकी है, लेकिन अब भारतीय शेरनियों ने भी अपने प्रदर्शन से यहां अमिट पहचान बना ली। यह केवल एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष, मेहनत और अर्जित आत्मविश्वास की सशक्त अभिव्यक्ति है। इंग्लैंड की सरजमीं पर मेजबान टीम को इस अंदाज में हराना बताता है कि भारतीय महिला क्रिकेट अब विदेशी परिस्थितियों में भी उतना ही मजबूत और निडर है।

विकास की अंधी दौड़ या विनाश की सुनियोजित पटकथा

एन0के0शर्मा
लेखक

सभ्यता का इतिहास केवल उपलब्धियों का इतिहास नहीं है, बल्कि यह उन भूलों का भी इतिहास है जिनकी कीमत प्रकृति, समाज और आने वाली पीढ़ियों ने चुकाई है। आज मानव सभ्यता एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ी है, जहाँ विकास का अर्थ निरंतर बदलता जा रहा है। कभी विकास का उद्देश्य जीवन को अधिक सुरक्षित, समृद्ध और संतुलित बनाना था, परन्तु आज विकास का अर्थ प्रायः विशाल राजमार्गों, गगनचुंबी इमारतों, औद्योगिक विस्तार, खनन परियोजनाओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अत्यधिक उपभोग और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन तक सीमित होकर रह गया है।

सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह वास्तव में विकास है, अथवा मानव सभ्यता अपने ही हाथों अपने विनाश की एक सुनियोजित पटकथा लिख रही है?

आज विश्व के लगभग प्रत्येक महाद्वीप में जंगल सिकुड़ रहे हैं, नदियाँ दम तोड़ रही हैं, हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं, समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, जैव विविधता समाप्त हो रही है और मौसम का संतुलन लगातार बिगड़ता जा रहा है। यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं है, बल्कि मानव अस्तित्व के विरुद्ध एक मौन युद्ध है।

विडंबना यह है कि जिस विकास के नाम पर यह सब हो रहा है, उसी विकास का सबसे बड़ा शिकार स्वयं मनुष्य बनता जा रहा है। आधुनिक शहरों में रहने वाला व्यक्ति तकनीकी रूप से पहले से कहीं अधिक सक्षम है, किन्तु मानसिक रूप से अधिक तनावग्रस्त, सामाजिक रूप से अधिक अकेला और प्राकृतिक रूप से अधिक असुरक्षित हो चुका है।

विकास की वर्तमान अवधारणा का सबसे खतरनाक पक्ष यह है कि इसमें प्रकृति को साझेदार नहीं बल्कि संसाधन माना गया है। जंगल केवल लकड़ी का भंडार हैं, नदियाँ केवल जल आपूर्ति का माध्यम हैं, पर्वत केवल खनिजों का स्रोत हैं और समुद्र केवल व्यापारिक मार्ग। इस सोच ने पृथ्वी को जीवित पारिस्थितिकी तंत्र के बजाय एक विशाल बाजार में बदल दिया है।

पिछले कुछ दशकों में दुनिया ने आर्थिक विकास के अनेक रिकॉर्ड बनाए हैं। वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद कई गुना बढ़ा, तकनीकी क्रांतियाँ हुईं, डिजिटल अर्थव्यवस्था विकसित हुई और उत्पादन क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। लेकिन उसी अवधि में जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जल संकट, खाद्य असुरक्षा और प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता भी रिकॉर्ड स्तर तक पहुँच गई। क्या यह मात्र संयोग है? बिल्कुल नहीं।

यह उस विकास मॉडल का स्वाभाविक परिणाम है जिसमें लाभ को जीवन से अधिक महत्व दिया गया है। विश्व के अनेक महानगर आज कंक्रीट के जंगल बन चुके हैं। वर्षा का पानी धरती में नहीं उतरता, बल्कि सड़कों पर बाढ़ बनकर बहता है। लाखों पेड़ों को काटकर बनने वाले एक्सप्रेस-वे और स्मार्ट सिटी परियोजनाएँ तत्कालीन आर्थिक लाभ तो देती हैं, परन्तु दीर्घकाल में पर्यावरणीय क्षति की कीमत कहीं अधिक होती है।

नदियों को बाँधकर, पहाड़ों को काटकर और जंगलों को समाप्त करके जो विकास प्राप्त किया जाता है, वह स्थायी नहीं हो सकता।

प्रकृति हमेशा अपना संतुलन पुनः स्थापित करती है। जब मनुष्य संतुलन बिगाड़ता है, तब प्रकृति प्रतिक्रिया देती है। कहीं बादल फटते हैं, कहीं सूखा पड़ता है, कहीं भीषण गर्मी जीवन को संकट में डाल देती है, कहीं समुद्री तूफान पूरी बस्तियाँ उजाड़ देते हैं।

जलवायु परिवर्तन कोई भविष्य की चेतावनी नहीं, बल्कि वर्तमान की कठोर वास्तविकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन बार-बार चेतावनी दे चुका है कि वायु प्रदूषण आज करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। पीने योग्य जल की उपलब्धता लगातार घट रही है। भूमिगत जल का स्तर भयावह गति से नीचे जा रहा है। अनेक नदियाँ औद्योगिक अपशिष्ट और रासायनिक प्रदूषण से विषैली बन चुकी हैं।

इसके समानांतर एक और संकट जन्म ले रहा है—सामाजिक असंतुलन। विकास के नाम पर लाखों लोग विस्थापित हो रहे हैं। आदिवासी समुदाय अपनी भूमि खो रहे हैं। किसान उपजाऊ खेतों से वंचित हो रहे हैं। पारंपरिक आजीविकाएँ समाप्त हो रही हैं। स्थानीय संस्कृति और जीवन शैली धीरे-धीरे मिटती जा रही है।

यदि विकास कुछ लोगों को समृद्ध और करोड़ों लोगों को असुरक्षित बना दे, तो वह विकास नहीं, असमानता का विस्तार है।

तकनीकी विकास ने मानव जीवन को सुविधाजनक अवश्य बनाया है, किन्तु इसके साथ ऊर्जा की बढ़ती खपत, इलेक्ट्रॉनिक कचरे का पहाड़, डेटा सेंटरों की बिजली आवश्यकता, दुर्लभ खनिजों का अत्यधिक दोहन और डिजिटल अवसंरचना का पर्यावरणीय प्रभाव भी सामने आया है।

हर नई सुविधा की एक पर्यावरणीय कीमत होती है। यदि उस कीमत का आकलन नहीं किया जाएगा, तो भविष्य की पीढ़ियाँ उसका भुगतान करेंगी। आज पृथ्वी तथाकथित विकास की प्रयोगशाला बन चुकी है। खनन परियोजनाएँ पर्वतों को निगल रही हैं। सीमेंट उद्योग कार्बन उत्सर्जन बढ़ा रहा है। प्लास्टिक महासागरों तक पहुँच चुका है। रासायनिक खेती मिट्टी की उर्वरता समाप्त कर रही है। अत्यधिक भूजल दोहन भविष्य के जल युद्धों की भूमिका लिख रहा है।

दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि विकास की सफलता को आज भी मुख्यतः सकल घरेलू उत्पाद, निवेश, निर्माण और उपभोग से मापा जाता है, जबकि स्वच्छ हवा, स्वस्थ मिट्टी, सुरक्षित जल, जैव विविधता, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक संतुलन जैसे वास्तविक विकास सूचकांक अक्सर उपेक्षित रह जाते हैं।

यदि पृथ्वी रहने योग्य नहीं बचेगी, तो आर्थिक समृद्धि किस काम आएगी? भारत सहित अनेक विकासशील देशों के सामने चुनौती दोहरी है। एक ओर गरीबी, बेरोजगारी और बुनियादी ढाँचे के विकास की आवश्यकता है, दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण की अनिवार्यता। समाधान विकास रोकना नहीं, बल्कि विकास की दिशा बदलना है।

सतत विकास केवल एक नारा नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की अनिवार्य शर्त है। ऐसा विकास जो प्रकृति का सम्मान करे। ऐसा विकास जो स्थानीय समुदायों को सहभागी बनाए।

ऐसा विकास जो नवीकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता दे। ऐसा विकास जो जल, जंगल और जमीन को राष्ट्रीय धरोहर माने। ऐसा विकास जिसमें शहरों के साथ गाँव भी सशक्त हों। ऐसा विकास जिसमें आर्थिक प्रगति और पर्यावरणीय संतुलन साथ-साथ चलें। आज आवश्यकता केवल नई नीतियों की नहीं, बल्कि नई चेतना की है।

विद्यालयों में पर्यावरणीय शिक्षा केवल औपचारिक विषय न होकर जीवन-दर्शन बने। उद्योगों की सफलता केवल लाभ से नहीं, बल्कि उनके पर्यावरणीय उत्तरदायित्व से आँकी जाए। सरकारें अल्पकालिक राजनीतिक लाभ से ऊपर उठकर दीर्घकालिक पारिस्थितिक सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाएँ। मीडिया विकास की चमक के साथ उसके दुष्परिणामों पर भी उतनी ही गंभीरता से विमर्श करे। और नागरिक केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि पृथ्वी के संरक्षक बनने का संकल्प लें। मानव सभ्यता को यह स्वीकार करना होगा कि पृथ्वी हमारी संपत्ति नहीं है; हम केवल इसके अस्थायी संरक्षक हैं। हमें यह ग्रह अपने पूर्वजों से विरासत में नहीं मिला, बल्कि हमने इसे अपनी आने वाली पीढ़ियों से उधार लिया है।

यदि आज भी विकास का अर्थ केवल अधिक उपभोग, अधिक निर्माण और अधिक दोहन ही बना रहा, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें प्रगति का निमार्ता नहीं, बल्कि पृथ्वी के सबसे बड़े विध्वंसक के रूप में याद करेंगी।

समय अभी भी हमारे हाथ में है। हम विकास और विनाश के इस चौराहे पर खड़े हैं। एक मार्ग हमें असीम उपभोग, कृत्रिम समृद्धि और अंततः पारिस्थितिक पतन की ओर ले जाता है। दूसरा मार्ग संतुलन, संवेदनशीलता, वैज्ञानिक विवेक, नैतिक उत्तरदायित्व और सतत विकास की ओर जाता है। निर्णय केवल सरकारों का नहीं, प्रत्येक नागरिक का है।

आइए, हम संकल्प लें कि विकास का हर नया कदम पृथ्वी की धड़कनों के साथ तालमेल में होगा। हम ऐसी जीवनशैली अपनाएँ जो जल की हर बूँद, वृक्ष की हर पत्ती, मिट्टी के हर कण और जीव-जगत के हर स्वरूप का सम्मान करे।

आने वाली पीढ़ियों के प्रति अपना दायित्व निभाते हुए हम अंधी प्रतिस्पर्धा नहीं, विवेकपूर्ण प्रगति का मार्ग चुनें। यही सच्चा विकास है, यही मानवता की रक्षा है, और यही उस सुनियोजित विनाश की पटकथा को बदलने का एकमात्र उपाय है, जिसे अभी भी सामूहिक चेतना, वैज्ञानिक दृष्टि और नैतिक संकल्प के बल पर एक उज्ज्वल भविष्य की नई पटकथा में बदला जा सकता है।

ईश्वर-अल्लाह, तेरा हर पल शुकराना

किशन भावनानीं

कविता

हर पल का शुकराना, हर साँस का शुकराना
तेरी दी हर धड़कन, हर आस का शुकराना।
सूनी राहों में भी तूने उजियारा भर डाला
ऐ मेरे ईश्वर-अल्लाह, तेरे हर एहसास का शुकराना।

गिरने से पहले तूने मेरा हाथ थाम लिया
भटके हुए कदमों को अपना नाम दिया।
बेगानों की दुनियाँ में भी अपना बना लिया,
तेरी हर रहमत, हर करम का शुकराना किया।

अंग-संग रहकर तूने हर डर को दूर किया
आँधियों के बीच भी जीवन को नूर किया।
हर दु:ख की धूप में दया की छाँव बिछा दी
तेरी हर मेहरबानी का दिल से शुकराना किया।

जब-जब सिर पर तेरी रहमत का हाथ आया,
टूटा हुआ विश्वास भी फिर से मुस्कुराया।
आँसू भी इबादत बने, सजदे भी मुस्काए
तेरे हर फैसले को मैंने दिल से अपनाया।

न धन का शुकराना, न शोहरत का अफसाना
बस तेरी रजा में ही है मेरा ठिकाना।
किशन, आखिरी साँस तक बस इतनी सी दुआ रहे,
ईश्वर-अल्लाह, तेरा हर पल..हर साँस..हर जन्म शुकराना।

न्याय के मंदिर की गरिमा और नागरिक मर्यादा

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

भारतीय लोकतंत्र की संपूर्ण संरचना चार प्रमुख स्तंभों—विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और स्वतंत्र मीडिया—पर आधारित है। इनमें न्यायपालिका वह संस्था है, जिसके समक्ष प्रत्येक नागरिक अंतिम उम्मीद लेकर पहुँचता है।

जब प्रशासनिक तंत्र विफल हो जाता है, जब शासन से निराशा हाथ लगती है और जब अधिकारों का हनन होता है, तब नागरिक न्यायालय का दरवाजा खटखटाता है। इसलिए न्यायालय केवल एक संवैधानिक संस्था नहीं, बल्कि नागरिकों के विश्वास का केंद्र भी है।

ऐसे में यदि न्यायालय की कार्यवाही के दौरान अमर्यादित व्यवहार, आक्रोश, धमकी, अभद्र भाषा या अव्यवस्था का वातावरण बनता है, तो उसका प्रभाव केवल एक अदालत तक सीमित नहीं रहता, बल्कि लोकतंत्र की संपूर्ण विश्वसनीयता पर पड़ता है। हाल के दिनों में सर्वोच्च न्यायालय में घटी एक घटना ने पूरे देश का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि न्यायालय की गरिमा और नागरिक आचरण के बीच संतुलन बनाए रखना कितना आवश्यक है।

किसी भी व्यक्ति को न्याय पाने का अधिकार है, अपनी बात रखने का अधिकार है और न्यायिक निर्णयों की संवैधानिक सीमाओं के भीतर आलोचना करने का भी अधिकार है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि अदालत की कार्यवाही बाधित की जाए, न्यायाधीशों के प्रति असम्मान प्रदर्शित किया जाए या न्यायालय को व्यक्तिगत आक्रोश व्यक्त करने का मंच बना दिया जाए। ऐसी घटनाएँ लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विरुद्ध हैं और न्याय व्यवस्था में जनता के विश्वास को प्रभावित करती हैं। यह भी उतना ही सत्य है कि किसी नागरिक का ऐसा व्यवहार प्रायः एक दिन में उत्पन्न नहीं होता।

कई बार वर्षों तक मुकदमेबाजी, आर्थिक बोझ, मानसिक तनाव, सामाजिक असुरक्षा और न्याय मिलने में अत्यधिक विलंब व्यक्ति को गहरी निराशा की स्थिति में पहुँचा देते हैं। इससे उसके भीतर व्यवस्था के प्रति असंतोष और आक्रोश जन्म ले सकता है।

किंतु किसी भी परिस्थिति में यह आक्रोश अदालत की गरिमा भंग करने का औचित्य नहीं बन सकता। लोकतांत्रिक व्यवस्था में अधिकारों के साथ कर्तव्य और मर्यादा भी समान रूप से आवश्यक हैं।

भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है। यह स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है, क्योंकि विचारों की अभिव्यक्ति के बिना स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती।

परंतु संविधान ने इस स्वतंत्रता को निरपेक्ष अधिकार नहीं माना है। सार्वजनिक व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा, मानहानि और न्यायालय की अवमानना जैसे विषयों पर उचित प्रतिबंधों की व्यवस्था भी की गई है। इसका उद्देश्य अभिव्यक्ति को दबाना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा और समाज में संतुलन बनाए रखना है।

न्यायालयों के निर्णयों की कानूनी आलोचना की जा सकती है, उन पर विद्वत्तापूर्ण विमर्श हो सकता है, पुनर्विचार याचिका दायर की जा सकती है, लेकिन व्यक्तिगत अपमान, अभद्र भाषा और न्यायिक प्रक्रिया में व्यवधान किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं हो सकते। न्यायपालिका की सबसे बड़ी शक्ति उसके पास उपलब्ध पुलिस बल या दंडात्मक अधिकार नहीं, बल्कि जनता का विश्वास है।

यही विश्वास न्यायालय के प्रत्येक आदेश को प्रभावी बनाता है। यदि न्यायालय की गरिमा बार-बार चुनौती का विषय बनने लगे और उसके प्रति सम्मान कम होने लगे, तो कानून के शासन की मूल अवधारणा कमजोर पड़ने लगेगी। इसलिए न्यायपालिका की संस्थागत प्रतिष्ठा की रक्षा केवल न्यायाधीशों या अधिवक्ताओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक दायित्व भी है। दूसरी ओर यह भी स्वीकार करना होगा कि भारतीय न्याय व्यवस्था अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है।

देश की विभिन्न अदालतों में करोड़ों मुकदमे लंबित हैं। अनेक मामलों में निर्णय आने में वर्षों नहीं, बल्कि दशकों का समय लग जाता है। न्याय पाने की प्रक्रिया आम नागरिक के लिए आर्थिक और मानसिक दोनों दृष्टियों से अत्यंत कठिन हो जाती है।

मुकदमों की लंबी अवधि, बार-बार की तारीखें, बढ़ता हुआ खर्च और अनिश्चित परिणाम व्यक्ति को निराशा के गर्त में धकेल देते हैं। ऐसी परिस्थितियों में न्यायिक सुधारों की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस होती है। न्यायिक सुधार केवल नए कानून बनाने तक सीमित नहीं होने चाहिए।

न्यायालयों में रिक्त पदों की शीघ्र नियुक्ति, आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग, ई-कोर्ट प्रणाली का विस्तार, डिजिटल रिकॉर्ड, समयबद्ध सुनवाई और वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र को मजबूत बनाना समय की आवश्यकता है। यदि मुकदमों का शीघ्र निपटारा होगा, तो नागरिकों में न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास और संतोष भी बढ़ेगा।

साथ ही यह भी आवश्यक है कि न्यायालय आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को केवल एक मुकदमे के रूप में न देखा जाए। अनेक लोग वर्षों की सामाजिक, आर्थिक और मानसिक पीड़ा लेकर अदालत तक पहुँचते हैं। इसलिए जहाँ आवश्यक हो, वहाँ परामर्श सेवाओं और मनोसामाजिक सहायता की व्यवस्था भी विकसित की जानी चाहिए।

इससे तनावग्रस्त पक्षकारों को भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में सहायता मिल सकती है और अनावश्यक टकराव की संभावना भी कम होगी।

अदालतों की सुरक्षा व्यवस्था भी समय की मांग है। न्यायालयों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में पक्षकार, अधिवक्ता और आम नागरिक आते हैं।

ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था केवल औपचारिक न रहकर प्रभावी और प्रशिक्षित होनी चाहिए, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से तत्काल और गरिमापूर्ण ढंग से निपटा जा सके। न्यायालय का वातावरण भयमुक्त, अनुशासित और सम्मानजनक होना प्रत्येक लोकतांत्रिक समाज की प्राथमिकता होनी चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की भी है कि समाज में न्यायिक साक्षरता को बढ़ावा दिया जाए। अधिकांश नागरिक अदालतों की प्रक्रिया, अधिकारों और दायित्वों से पूर्णतः परिचित नहीं होते।

यदि विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से संवैधानिक मूल्यों तथा न्यायिक प्रक्रिया के बारे में जागरूकता बढ़ेगी, तो न्यायालयों के प्रति सम्मान और समझ दोनों विकसित होंगे।

लोकतंत्र में आलोचना का महत्वपूर्ण स्थान है। न्यायपालिका भी आलोचना से परे नहीं है। अनेक ऐतिहासिक निर्णयों पर समय-समय पर विद्वानों, अधिवक्ताओं और नागरिक समाज ने गंभीर विमर्श किया है। यही स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान भी है। किंतु आलोचना तथ्यों, तर्कों और संवैधानिक मर्यादाओं पर आधारित होनी चाहिए। व्यक्तिगत कटाक्ष, अभद्र व्यवहार और संस्थाओं का सार्वजनिक अपमान लोकतांत्रिक संस्कृति को कमजोर करते हैं।

यह भी स्मरण रखना होगा कि न्यायालय केवल न्यायाधीशों का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का संस्थान है। इसकी गरिमा की रक्षा करना उतना ही आवश्यक है जितना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करना।

दोनों में कोई विरोध नहीं है। वास्तविक लोकतंत्र वही है जहाँ नागरिक निर्भीक होकर अपनी बात कह सके और साथ ही संस्थाओं के सम्मान की मर्यादा भी बनाए रखे।

आज जब सामाजिक संवाद का बड़ा हिस्सा डिजिटल माध्यमों पर स्थानांतरित हो चुका है, तब न्यायिक संस्थाओं के संबंध में अपुष्ट सूचनाएँ, भावनात्मक प्रतिक्रियाएँ और अपमानजनक टिप्पणियाँ तेजी से फैलती हैं।

इससे न्यायपालिका की छवि प्रभावित होने के साथ-साथ समाज में भ्रम भी उत्पन्न होता है। इसलिए नागरिकों, मीडिया और सामाजिक मंचों की भी जिम्मेदारी है कि न्यायिक विषयों पर तथ्यपरक, संतुलित और जिम्मेदार संवाद को बढ़ावा दें।

भारतीय न्यायपालिका ने अनेक अवसरों पर यह सिद्ध किया है कि वह केवल कानून की व्याख्या करने वाली संस्था नहीं, बल्कि संवैधानिक मूल्यों की संरक्षक भी है। न्यायिक संयम, निष्पक्षता और मानवीय दृष्टिकोण उसकी सबसे बड़ी विशेषताएँ हैं। उसी प्रकार नागरिकों से भी अपेक्षा है कि वे न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करें, धैर्य बनाए रखें और असहमति व्यक्त करते समय लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करें।

न्याय की प्रतिष्ठा केवल न्यायालय के आदेशों से नहीं, बल्कि समाज के सामूहिक आचरण से भी निर्मित होती है। यदि नागरिक अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी समान महत्व देंगे, यदि न्यायपालिका समयबद्ध और सुलभ न्याय की दिशा में निरंतर आगे बढ़ेगी तथा यदि शासन आवश्यक न्यायिक सुधारों को प्राथमिकता देगा, तो लोकतंत्र और अधिक मजबूत होगा।

न्यायालय वास्तव में न्याय का मंदिर तभी बना रह सकता है जब उसके भीतर कानून की आवाज सबसे ऊँची हो, क्रोध की नहीं; तर्क का सम्मान हो, शोर का नहीं; और संविधान सर्वोच्च रहे, किसी व्यक्ति की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं। यही भारतीय लोकतंत्र की शक्ति है, यही उसकी गरिमा है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

डायमंड ग्रुप के चेयरमैन नरेन्द्र कुमार वर्मा की स्मृति में प्रार्थना सभा; साहित्य और प्रकाशन जगत ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय प्रकाशन जगत के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व, डायमंड ग्रुप के चेयरमैन एवं डायमंड पॉकेट बुक्स के निदेशक श्री नरेन्द्र कुमार वर्मा की स्मृति में सोमवार, 13 जुलाई को नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर के स्टीन ऑडिटोरियम में 'Prayer Meeting & Celebration of Life–प्रार्थना सभा एवं जीवनोत्सव' का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर साहित्य, प्रकाशन, शिक्षा, मीडिया, संस्कृति और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्ति, वरिष्ठ लेखक, प्रकाशक, शिक्षाविद, मित्र, सहयोगी और शुभचिंतक उपस्थित रहे। उन्होंने नरेन्द्र कुमार वर्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके साथ बिताए आत्मीय क्षणों तथा प्रकाशन जगत में उनके योगदान को याद किया। सभा का वातावरण शोक के साथ-साथ कृतज्ञता और स्मृतियों से भरा था। वक्ताओं ने कहा कि नरेन्द्र कुमार वर्मा केवल एक सफल प्रकाशक नहीं थे; वे लेखकों के मार्गदर्शक, पुस्तक संस्कृति के समर्थक और संबंधों को विश्वास के साथ निभाने वाले संवेदनशील व्यक्ति थे। उन्होंने प्रतिष्ठित साहित्यकारों के साथ-साथ अनेक नए लेखकों को भी अवसर दिया और उन्हें अपनी रचनात्मक यात्रा आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। वक्ताओं ने उनके सरल, सौम्य, विनम्र और कर्मनिष्ठ व्यक्तित्व को याद करते हुए कहा कि उनकी सबसे बड़ी विशेषता लोगों को सुनना और उनमें संभावनाएँ पहचानना थी। उनके लिए प्रकाशन केवल पुस्तक तैयार करने और बेचने की प्रक्रिया नहीं था, बल्कि लेखक, पाठक और समाज के बीच एक सार्थक संबंध स्थापित करने का माध्यम था। पूर्व आईपीएस अधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. किरण बेदी ने उनके साथ अपने लंबे संबंध को याद करते हुए कहा कि नरेन्द्र कुमार वर्मा ने उनकी अनेक पुस्तकों को पाठकों तक पहुँचाया और उनके सामाजिक प्रयासों को भी निरंतर सहयोग दिया। उन्होंने स्मरण किया कि उनका संबंध औपचारिक अनुबंधों से अधिक पारस्परिक विश्वास पर आधारित था। यह प्रसंग उस मानवीयता और भरोसे का प्रतीक था, जिसे वर्मा ने अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सदैव प्राथमिकता दी। सभा में उपस्थित लेखकों और प्रकाशन जगत से जुड़े लोगों ने उनके साथ बिताए संस्मरण साझा किए। उन्हें ऐसे प्रकाशक के रूप में याद किया गया, जो किसी पांडुलिपि के पीछे छिपे लेखक के सपने को भी समझते थे। अनेक वक्ताओं ने हिंदी और भारतीय भाषाओं के साहित्य को व्यापक पाठक-वर्ग तक पहुँचाने, नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और पुस्तक संस्कृति को जनसुलभ बनाने में उनके योगदान को रेखांकित किया। 3 नवम्बर 1948 को दिल्ली में जन्मे नरेन्द्र कुमार वर्मा ऐसे परिवार से थे, जिसकी पुस्तक-व्यवसाय की जड़ें विभाजन-पूर्व मुल्तान तक जाती थीं। विभाजन के बाद परिवार ने दिल्ली में कठिन परिस्थितियों के बीच अपने व्यवसाय को पुनः स्थापित किया। परिवार की इस संघर्षपूर्ण यात्रा ने उनके व्यक्तित्व में श्रम, अनुशासन, धैर्य और निरंतर आगे बढ़ने का भाव विकसित किया। शिक्षा पूरी करने के बाद वे पारिवारिक पुस्तक-व्यवसाय से जुड़े और समय के साथ डायमंड को पुस्तकों, पॉकेट बुक्स, कॉमिक्स और पत्रिकाओं के विस्तृत प्रकाशन समूह के रूप में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डायमंड समूह के आधिकारिक परिचय के अनुसार, डायमंड बुक्स की औपचारिक शुरूआत 1970 में हुई। आगे चलकर इसका प्रकाशन संसार कथा-साहित्य, कथेतर साहित्य, बाल साहित्य, अध्यात्म, स्वास्थ्य, आत्म-विकास, जीवनी, लोकप्रिय साहित्य और समसामयिक विषयों तक विस्तृत हुआ। समूह की आधिकारिक जानकारी के अनुसार, डायमंड का प्रकाशन-संग्रह लगभग 10,000 शीर्षकों और 20 भाषाओं तक फैला है। गृहलक्ष्मी, क्रिकेट टुडे, साधना पथ और साहित्य विमर्श जैसी पत्रिकाएँ भी इस व्यापक प्रकाशन यात्रा का हिस्सा रही हैं। समय के साथ समूह ने ई-बुक, ऑडियोबुक, यूट्यूब और सोशल मीडिया प्रकाशन जैसे नए माध्यमों को भी अपनाया। डायमंड कॉमिक्स के माध्यम से भारतीय परिवेश और संवेदनाओं से जुड़े अनेक लोकप्रिय पात्रों को देशभर के पाठकों तक पहुँचाने में भी नरेन्द्र कुमार वर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्टूनिस्ट प्राण के रचे हुए चाचा चौधरी, साबू, बिल्लू और पिंकी जैसे पात्र स्वतंत्र कॉमिक पुस्तकों के रूप में घर-घर पहुँचे और अनेक पीढ़ियों के बचपन की स्मृतियों का हिस्सा बने। स्वतंत्र विवरणों के अनुसार, डायमंड कॉमिक्स की शुरूआत 1978 में हुई और चाचा चौधरी को 1981 में स्वतंत्र कॉमिक-बुक स्वरूप मिला। नरेन्द्र कुमार वर्मा का 10 जुलाई 2026 को 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। उनके निधन के बाद देशभर के लेखकों, प्रकाशकों, पाठकों और सांस्कृतिक संस्थाओं ने शोक व्यक्त करते हुए इसे भारतीय प्रकाशन जगत की बड़ी क्षति बताया। प्रार्थना सभा का समापन दो मिनट के मौन और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए सामूहिक प्रार्थना के साथ हुआ। उपस्थित लोगों ने कहा कि नरेन्द्र कुमार वर्मा की दृष्टि, सादगी, उदारता, साहित्य के प्रति समर्पण और संबंधों पर आधारित नेतृत्व आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। परिवार ने इस कठिन समय में साथ खड़े रहने, प्रार्थनाओं, स्मृतियों, स्नेह और समर्थन के लिए सभी उपस्थित लोगों के प्रति हृदय से कृतज्ञता व्यक्त की।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई स्वास्थ्य विभाग डी एच एस की मासिक बैठक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी को स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद की कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग ऊ्ष्र की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं, संचारी रोग नियंत्रण, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव एवं विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए की जनपद की सभी CHC, PHC एवं उपकेंद्रों पर डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित की जाए।

ओपीडी एवं इमरजेंसी सेवाएं 24x7 सुचारू रखी जाएं। डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया एवं अन्य संचारी रोगों की रोकथाम के लिए एंटी-लार्वा एवं फॉगिंग अभियान तेज करने के निर्देश दिए साथ ही स्कूलों में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं। शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य पूरा किया जाए। कुपोषित व अतिकुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती किया जाए। संस्थागत प्रसव का प्रतिशत बढ़ाया जाए। गर्भवती महिलाओं की ए एन सी जांच एवं दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक दवाओं, उपकरणों एवं एंबुलेंस की उपलब्धता चेक की जाए। स्टॉक रजिस्टर अद्यतन रखा जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध सेवाएं देना है।

पुलिस कार्यालय के बाहर आत्मदाह का प्रयास, महिला ने खुद पर उड़ेला डीजल, पुलिसकर्मियों के हाथ-पांव फूले

न्याय न मिलने का आरोप लगाकर पहुंची पीड़िता, पुलिसकर्मियों की सतर्कता से टला बड़ा हादसा; शिकायतों की जांच के निर्देश

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बरेली। पुलिस कार्यालय के बाहर मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बहेड़ी थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने न्याय न मिलने का आरोप लगाते हुए आत्मदाह का प्रयास कर दिया। महिला ने अपने ऊपर डीजल उड़ेल लिया और आग लगाने की कोशिश की, लेकिन मौके पर मौजूद सतर्क पुलिसकर्मियों ने समय रहते उसे पकड़ लिया। इससे एक बड़ा हादसा टल गया।

'कई बार गुहार लगाई, कहीं नहीं मिली सुनवाई'

महिला मीना का आरोप है कि वह लंबे समय से न्याय की मांग को लेकर पुलिस और अधिकारियों के चक्कर काट रही है, लेकिन उसकी शिकायत पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इसी से आहत होकर वह पुलिस कार्यालय पहुंची और विरोध स्वरूप आत्मदाह करने का प्रयास किया।

पुलिस ने तत्काल संभाला मोर्चा

महिला के हाथ में डीजल का डिब्बा देखकर पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। जैसे ही उसने खुद पर डीजल डाला और आग लगाने की कोशिश की, ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्काल उसे काबू में कर लिया। कुछ ही मिनटों में पूरे परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

एसपी साउथ कार्यालय ले जाया गया, फिर जिला अस्पताल भेजी गई

घटना के बाद पुलिस महिला को तुरंत एसपी साउथ अंशिका वर्मा के कार्यालय ले गई। वहां पूछताछ के बाद उसे महिला थाने की पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। एहतियातन महिला को पुलिस सुरक्षा में जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

महिला ने लगाए गंभीर आरोप

महिला का कहना है कि उस पर और उसके बेटे पर पहले जानलेवा हमला हुआ था। इसके बावजूद आरोपियों के खिलाफ अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। उसका आरोप है कि उसने अपनी शिकायत को लेकर कई बार सीओ बहेड़ी सहित संबंधित अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई, लेकिन उसकी बात नहीं सुनी गई और न ही प्रभावी कार्रवाई हुई। इसी से आहत होकर उसने यह कदम उठाने की कोशिश की।

पुलिस ने शुरू की जांच

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की जांच कराई जा रही है। महिला के आरोपों और उसकी शिकायतों का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, एसएसपी कार्यालय के बाहर हुई इस घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सतर्कता बढ़ा दी गई।

भाकियू टिकैत हापुड़ जिला मीडिया प्रभारी बने भूपेंद्र सागर जोरदार स्वागत किया

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के नवनियुक्त जिला मीडिया प्रभारी का फूल–माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर किया भव्य स्वागत। गढ़मुक्तेश्वर। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने जिले में संगठन को और अधिक धार देने के लिए अपना विस्तार शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में मंगलवार को शाहपुर रोड स्थित तहसील अध्यक्ष नवदीप सिंह के आवास पर एक संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में भाकियू के हापुड़ जिलाध्यक्ष जीते चौहान ने कार्यकताओं की सर्वसम्मति से भूपेंद्र सागर को जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त करने की घोषणा की। जिलाध्यक्ष जीते चौहान ने कहा कि संगठन की नीतियों और किसानों की समस्याओं को जनता व शासन तक पहुँचाने में मीडिया प्रभारी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। भूपेंद्र सागर की कार्यकुशलता और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवनियुक्त जिला मीडिया प्रभारी ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वे किसानों के हक की आवाज को पूरी मजबूती के साथ बुलंद करेंगे।भूपेंद्र सागर के मनोनयन की घोषणा होते ही बैठक स्थल पर हर्ष की लहर दौड़ गई। जिलाध्यक्ष जीते चौहान, तहसील अध्यक्ष नवदीप सिंह और वहाँ उपस्थित सभी कार्यकताओं ने नवनियुक्त मीडिया प्रभारी भूपेंद्र सागर को फूल–माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान कार्यकताओं ने एक–दूसरे का मुँह मीठा कराकर बधाई दी और संगठन के हित में कार्य करने की शपथ ली। इस अवसर पर मुख्य रूप से गढ़ ब्लॉक अध्यक्ष राजू ठाकुर, गढ़ तहसील अध्यक्ष नवदीप सिंह, सेवा राम चौहान, सुभाष चौहान, फरमान कुरैशी, इसरार खान और बीरा सिंह सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

मिरे असेट म्यूचुअल फंड ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में अपनी सर्विस मजबूत करने के लिए वाराणसी कार्यालय को सिगरा में नए पते पर किया स्थानांतरित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

वाराणसी। मिरे असेट इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड ने 14 जुलाई मंगलवार को घोषणा किया की उसका वाराणसी कार्यालय अब सिगरा स्थित नए पते पर स्थानांतरित हो गया है यह कदम उत्तर प्रदेश में तेजी से बढ़ते निवेशक आधार के बीच अपनी पहुंच और सेवाओं को और मजबूत करने की कंपनी की निरंतर कोशिश का हिस्सा है। नया और पहले से बड़ा कार्यालय पूर्वी उत्तर प्रदेश के निवेशकों और वितरण सहयोगियों को बेहतर अनुभव देने में सहायक होगा। यहां आमने सामने बैठकों, निवेशक जागरूकता सत्रों और क्षेत्रीय संपर्क कार्यक्रमों के लिए अधिक जगह उपलब्ध रहेगी। कार्यालय का उद्घाटन करते हुए मिरे असेट इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के वाइस चेयरमैन और सीईओ स्वरूप आनंद मोहंती ने कहा उत्तर प्रदेश देश में निवेशकों का दूसरा सबसे बड़ा आधार वाला राज्य है (स्रोत बीएसई रजिस्टर्ड इन्वेस्टर डेटा) और भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य होने के कारण म्यूचुअल फंड में भागीदारी के लिहाज से यह सबसे संभावनाशील क्षेत्रों में से एक है यह नया कार्यालय हमें पूर्वांचल के निवेशकों के और करीब आने, उनकी जरूरतों को बेहतर ढंग से समझने और उन्हें बेहतर सेवा देने की सुविधा देता है। मिरे असेट इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड उत्तर प्रदेश में लखनऊ, कानपुर और वाराणसी इन तीन शहरों में अपनी शाखाओं के माध्यम से मौजूद है। देशभर में कंपनी 25 शाखाओं के जरिए ग्राहकों को सेवाएं देती है।

विवादित जमीन पर कब्जे की साजिश का आरोप, भाजपा नेता समेत कई लोगों के खिलाफ पार्टनरों ने खोला मोर्चा

झूठी एफआईआर, अवैध निर्माण की कोशिश और 19.50 लाख की धोखाधड़ी का आरोप; मुख्यमंत्री से निष्पक्ष जांच की मांग

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बरेली। कोर्ट में विचाराधीन एक विवादित जमीन को लेकर नया विवाद सामने आया है। जमीन के साझेदारों ने भाजपा नेता समेत कई लोगों पर अवैध कब्जे की कोशिश, झूठे मुकदमे दर्ज कराने और लाखों रुपये की धोखाधड़ी के आरोप लगाते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। प्रेसवार्ता में उन्होंने मुख्यमंत्री, डीजीपी और राजस्व विभाग से निष्पक्ष कार्रवाई की गुहार लगाई।

आकाशपुरम निवासी मोहम्मद मजहर ने बताया कि उनके साझेदार अशोक कपूर ने 22 फरवरी 2023 को 1157 वर्ग गज भूमि का विधिवत बैनामा कराया था। उनका दावा है कि भूमि से जुड़े सभी वैध दस्तावेज, जिनमें रजिस्ट्री, खतौनी, टैक्स रसीद और बिजली कनेक्शन शामिल हैं, उनके पास मौजूद हैं। इसके बावजूद जून 2026 में जमीन पर निर्माण कराने का प्रयास किया गया।

प्रेसवार्ता के दौरान मोहम्मद मजहर ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता राधे गुर्जर और उनके सहयोगी कोर्ट में मामला लंबित होने के बावजूद विवादित भूमि पर कब्जा कर निर्माण कराना चाहते हैं। उनका कहना है कि ऐसा कर न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है।

मजहर ने यह भी आरोप लगाया कि उन पर दबाव बनाने के उद्देश्य से झूठी एफआईआर दर्ज कराई गई है। साथ ही कुछ लोगों पर स्वयं को जमीन का मालिक बताकर 19.50 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि रजिस्ट्री प्रक्रिया, भूमि अभिलेखों और आर्थिक लेनदेन की निष्पक्ष जांच से पूरे मामले की सच्चाई सामने आ जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति से व्यक्तिगत विवाद नहीं है।

इस भूमि के साझेदारों में देव नारायण पटेल (मिलक, रामपुर), अशोक कपूर और मोहम्मद मजहर शामिल हैं। सभी की मांग है कि पूरे प्रकरण की पारदर्शी जांच कराकर कानून के अनुसार दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

जनसुनवाई में दो समस्याओं का निस्तारण

वेलकम इंडिया ब्यूरो

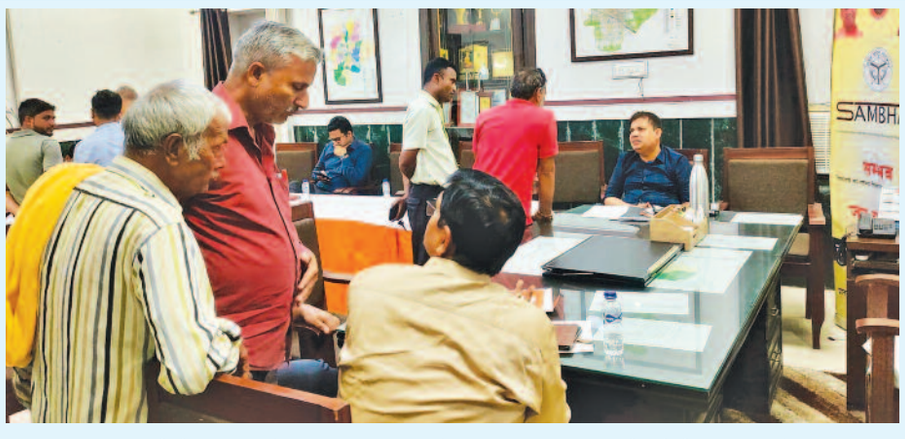

सहारनपुर। जनसुनवाई में आज आयी छह समस्याओं में से सफाई सम्बंधी दो समस्याओं का अपर नगरायुक्त ने तत्काल निस्तारण कराया।

स्ट्रीट लाइट सम्बंधी तीन समस्याओं के लिए पथ प्रकाश विभाग के अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश दिए। वार्ड 04 आनंद विहार निवासी देवेंद्र कुमार ने नालियों की सफाई के लिए तथा वार्ड 19 गोपाल नगर निवासी नरेंद्र कुमार ने गोपाल नगर के नाले की सफाई के लिए प्रार्थना पत्र दिया था जिस पर अपर नगरायुक्त मृत्युंजय ने क्षेत्रीय सफाई निरीक्षकों को भेजकर सफाई कराते हुए समस्याओं का समाधान करा दिया। उधर वार्ड 25 न्यू उत्तम नगर ग्वालिरा रोड निवासी कबूल चंद ने भी खाली प्लाट में कूड़ा डालने से रोकने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। जिस पर अपर नगरायुक्त ने क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त वार्ड 21 टैगोर गॉर्डन पेपर मिल रोड निवासी ऋषिपाल ने रोड के पास लगी स्ट्रीट लाइट ठीक कराने, वार्ड 32 नयी बस्ती खानआलमपुरा निवासी अकरम तथा वार्ड 33 निवासी न्यू रुप विहार कॉलोनी ने भी अपने अपने क्षेत्र की स्ट्रीट लाइट ठीक कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिए।

अपर नगरायुक्त ने पथ प्रकाश विभाग के अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर लाइट ठीक कराने को कहा। जनसुनवाई में मुख्य अभियंता निर्माण सुरेंद्र प्रसाद, महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बाल अधिकारों एवं बाल संरक्षण पर पीयर एजुकेटर्स को किया गया प्रशिक्षित

वेलकम इंडिया संवाददाता

कठेला/सिद्धार्थनगर। मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान द्वारा संचालित बाल संरक्षण एवं बाल अधिकार जागरूकता अभियान के अंतर्गत मंगलवार को पंचायत भवन कठेला शर्की में इटवा एवं बढ़नी ब्लॉक क्षेत्र की पीयर एजुकेटर्स (किशोरी बच्चियों) के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य किशोरियों को बाल अधिकारों एवं बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न मुद्दों की जानकारी देकर उन्हें अपने समुदाय में जागरूकता फैलाने के लिए सक्षम बनाया गया। प्रशिक्षण के दौरान एमआईएस अभिषेक मिश्रा ने बाल अधिकारों की अवधारणा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार प्राप्त है। इन अधिकारों की रक्षा करना समाज के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। जिला सलाहकार श्रम विभाग जय प्रकाश गुप्ता ने बाल विवाह, बाल श्रम, बाल यौन शोषण, बाल तस्करी, लैंगिक भेदभाव तथा बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बाल विवाह और बाल श्रम जैसी सामाजिक कुरीतियां बच्चों के भविष्य को प्रभावित करती हैं। इनके उन्मूलन के लिए सामुदायिक

सहभागिता और जनजागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने किशोरियों को चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, पुलिस हेल्प लाइन 112 एवं संबंधित विभागों से सम्पर्क करने की प्रक्रिया की भी जानकारी दी। फील्ड कोऑर्डिनेटर अशोक विश्वकर्मा ने कहा कि पीयर एजुकेटर्स अपने गांवों और विद्यालयों में अन्य बच्चों एवं अभिभावकों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने किशोरियों को बाल संरक्षण सम्बन्धी कानूनों, बच्चों के अधिकारों तथा किसी भी प्रकार के शोषण या हिंसा की सूचना समय पर सम्बन्धी अधिकारियों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। ब्लॉक कोऑर्डिनेटर काजल श्रीवास्तव एवं विजय शंकर यादव ने समूह चर्चा, गतिविधियों एवं प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों को व्यवहारिक जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि जागरूक किशोरियां अपने समुदाय में सकारात्मक परिवर्तन लाने की सबसे प्रभावी कड़ी बन सकती हैं। प्रशिक्षण में बाल विवाह, बाल श्रम एवं बाल यौन शोषण की रोकथाम, शिक्षा का अधिकार, सुरक्षित वातावरण, लैंगिक समानता, बच्चों के प्रति संवेदनशील व्यवहार तथा सामाजिक जिम्मेदारियों जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभागी किशोरियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए अपने-अपने गांवों में बाल अधिकारों के प्रति जनजागरूकता फैलाने तथा बाल संरक्षण को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अन्त में सभी किशोरियों को बढ़ते बच्चे शार्ट मूवी दिखाई गई व थाना कठेला का विजिट करा कर मिशन शक्ति, साइबर सेल, व बाल कल्याण पुलिस अधिकारी की विस्तृत जानकारी दी गयी। प्रशिक्षकों ने सभी पीयर एजुकेटर्स से अपील की कि वे अपने क्षेत्र में बाल अधिकारों के संरक्षण, बाल विवाह एवं बाल श्रम जैसी कुप्रथाओं के उन्मूलन तथा बाल यौन शोषण के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

नाबार्ड के 45वें स्थापना दिवस पर ऋण प्रवाह में वृद्धि' विषय पर विस्तृत चर्चा की गयी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। नाबार्ड के उत्तराखण्ड क्षेत्रीय कार्यालय में नाबार्ड के 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रतिभाग किया। उन्होंने नाबार्ड के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में 'ग्रामीण वित्तीय संस्थाओं द्वारा जमीनी स्तर पर ऋण प्रवाह में वृद्धि' विषय पर विस्तृत चर्चा हुई। किसानों, स्वयं सहायता समूहों, सहकारी संस्थाओं, ग्रामीण उद्यमियों एवं आजीविका से जुड़े हितग्राहियों तक सरल, सुलभ और समयबद्ध ऋण उपलब्ध कराने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया।

डॉ. रावत ने कहा कि नाबार्ड द्वारा ग्रामीण विकास, कृषि, सहकारिता एवं वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में किए जा रहे सराहनीय कार्य राष्ट्र के समावेशी विकास को नई दिशा प्रदान कर रहे हैं। विश्वास है कि सरकार एवं नाबार्ड के समन्वित प्रयासों से उत्तराखण्ड के ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक सशक्तीकरण को और अधिक गति मिलेगी।

भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी के लिए छिपाई गई 54 बोरी यूरिया बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

खुनवा/सिद्धार्थनगर। भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 43वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और उत्तर प्रदेश पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तस्करी के उद्देश्य से छिपाकर रखी गई 54 बोरी अवैध यूरिया बरामद की है। बरामद खाद को आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस चौकी खुनवा के सुपुर्द कर दिया गया।

मंगलवार को 43वीं वाहिनी एसएसबी की सीमा चौकी बाणगंगा और उत्तर प्रदेश पुलिस की खुनवा चौकी की संयुक्त गश्ती टीम परसौना गांव के समीप नियमित गश्त कर रही थी।

इसी दौरान विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि भारत-नेपाल सीमा से लगभग 100 मीटर भारतीय

क्षेत्र में स्थित एयरटेल टावर के पास हरे रंग की तिरपाल के नीचे रात के अंधेरे का फायदा उठाकर तस्करी के उद्देश्य से यूरिया की बोरियां छिपाई गई हैं।

सूचना मिलते ही संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर तलाशी ली, जहां तिरपाल के नीचे 54 बोरी यूरिया बरामद हुई। आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी ने भी खाद के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी। एसएसबी अधिकारियों ने बताया कि भारत-नेपाल सीमा पर खाद, नशीले पदार्थ, मानव तस्करी, अवैध मुद्रा तथा वन्यजीवों की तस्करी रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

सीमा पर सतर्क निगरानी के चलते तस्करी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के साथ ही संलिप्त लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है।

सीएम धामी ने मालागाम में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित उत्तराखण्ड का संदेश दिया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने हरेला पर्व के पावन अवसर पर जनपद पौड़ी गढ़वाल के यमकेश्वर स्थित मालागाम में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित उत्तराखण्ड का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण केवल हमारा दायित्व ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है। अधिक से अधिक वृक्षारोपण तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के माध्यम से ही हम स्वच्छ, समृद्ध और संतुलित पर्यावरण के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

इस दौरान श्री धन्वंतरि धाम हर्बल वर्ल्ड हिमालय का भ्रमण कर वहां संरक्षित दुर्लभ औषधीय

वनस्पतियों, अनुसंधान गतिविधियों तथा आयुर्वेद आधारित नवाचारों की जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर विधायक श्रीमती रेनू विष्ट, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती कुसुम कंडवाल, स्वामी रामदेव तथा आचार्य बालकृष्ण सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री से मिले कपिलवस्तु विधायक, क्षेत्र के विकास कार्यों पर हुई चर्चा

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्यामधनी राही ने मंगलवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट कर विधानसभा क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान उन्होंने क्षेत्र में चल रही विकास परियोजनाओं की जानकारी देते हुए आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर मुख्यमंत्री से मार्गदर्शन प्राप्त किया। विधायक ने मुख्यमंत्री को कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित आवश्यकताओं से अवगत कराया। उन्होंने क्षेत्र के समग्र विकास को गति देने तथा विभिन्न लंबित परियोजनाओं को शीघ्र पूरा कराने के संबंध में भी

चर्चा की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायक को निर्देश दिए कि प्रदेश सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से पहुंचाया जाए। उन्होंने विकास कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने और सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा कराने पर विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है और विकास की गति बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है।

भेंट के बाद विधायक श्यामधनी राही ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन और सहयोग से कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी तथा जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप सभी योजनाओं का प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराया जाएगा।

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कांग्रेस कार्यकताओं ने समीक्षा बैठक की

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश कांग्रेस, ओबीसी कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ ओबीसी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद व प्रदेश अध्यक्ष श्री गणेश गोदियाल ने आज महत्वपूर्ण बैठक कर 17 जुलाई को देहरादून के परेड ग्राउंड में आयोजित होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में अधिक से अधिक छात्र-युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने, जनसंपर्क अभियान को तेज करने तथा शिक्षा, पेपर लीक, रोजगार और संविधान से जुड़े मुद्दों पर राहुल गांधी जी की सोच को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा की गई। इस अवसर पर उत्तराखंड ओबीसी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. गौरव चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट मुजतबा मलिक, प्रदेश प्रभारी रोहिताश बसोया, 'छात्रों की गूंज' अभियान के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. विकास यादव, वीरेंद्र रावत, अरविंद पटेल सहित प्रदेश कांग्रेस, ओबीसी कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं छात्र उपस्थित रहे।

दूसरी बार क्रमिक अनशन तोड़ने को लेकर दर्जा राज्य मंत्री पहुंचे धरना स्थल

वार्ता विफल, पूर्व सैनिक सँगठन भी आया समर्थन में

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। सड़क निर्माण की मांग को लेकर पूर्व सैनिक फतेह सिंह करायत का क्रमिक अनशन जारी है।13 वे दिन के अनशन में दर्जा मंत्री शिव सिंह बिष्ट दोबारा आंदोलन में बैठे फौजी फतेह सिंह से वार्ता करने हेतु धरना स्थल पहुंचे। जहाँ उन्होंने जल्द मामले का समाधान करने का आश्वासन भी दिया। दर्जा मंत्री ने शासन स्तर पर सड़क निर्माण हेतु वार्ता करने, लगातार मामले में मुख्यमंत्री जी से सड़क निर्माण की स्वीकृति दिलाने का प्रयास करने की बात कही। वही काफी मनाने के बाद भी स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी ने जब तक कार्य का शासनादेश जारी नही होने तक अपना आंदोलन अंतिम सांस तक जारी रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण का शाशनदेश के बगैर पूर्व से

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के पास जाते हुए वे थक चुके हैं। जिसके बाद वार्ता विफल होने के बाद दर्जा मंत्री धरना स्थल से लौट आए।वही आंदोलन को पूर्व सैनिक संगठन नेभी अपना समर्थन दिया है। सँगठन ने पालड़ीछीना-जैनकरास-कनगाड़छीना मोटर मार्ग निर्माण की मांग को लेकर क्रमिक अनशन पर बैठे सेवानिवृत्त सूबेदार फतेह सिंह करायत के समर्थन में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. महेंद्र सिंह करायत के नाम पर स्वीकृत सड़क का निर्माण अब तक पूरा नहीं हुआ है। पूर्व सैनिक एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य फतेह सिंह करायत सड़क को कनगाड़ छीना एनएच हाइवे में मिलाना चाहते हैं। वही लम्बे समय से सड़क के लिए संघर्ष करने के बाद उनसे वादाखिलाफी करना, और अपनी जनहित की मांग के लिए अपनी जायज मांगों के लिए अनशन पर बैठने को मजबूर करना शासन-प्रशासन की उदासीनता को दशार्ता है। संगठन ने शीघ्र मामले का समाधान करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि जल्द मांगें पूरी नहीं होने पर पूर्व सैनिक संगठन भी आंदोलन में शामिल होगा।इस दौरान एडीएम एनएस नबियाल ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य हेतु वन भूमि क्षेत्र होने से तकनीकी बाधाएं आने से सड़क निर्माण को स्वीकृति नही मिल पा रही है। मामला केंद्र से वन भूमि हस्तांतरण और फारेस्ट क्लियरेंस नही मिलने तक सड़क निर्माण कार्य कराने में समस्याएं आ रही है। मामले की जानकारी शासन को भेज दी गई है। ज्ञापन सौंपने वालों में अध्यक्ष एवं ऑनरेरी कैप्टन भूपेश सिंह दफौटी, रमेश भंडारी, भरत सिंह बजेठा,नयन सिंह खेतवाल, चरण सिंह मलड़ा, मोहन सिंह कनवाल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। वही क्रमिक अनशन अभी भी जारी है।

मुख्य सचिव ने पर्यटन विभाग की समीक्षा की

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने आज सचिवालय स्थित अपने सभागार में पर्यटन विभाग की समीक्षा की। उन्होंने पर्यटन विभाग की सभी योजनाओं पर विस्तार से जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि पर्यटन उत्तराखण्ड की आर्थिकी के महत्त्वपूर्ण स्त्रोतों में से एक है। उन्होंने पर्यटन विभाग को अपने 5 वर्षों के लिए लक्ष्य निर्धारित किए जाने के निर्देश दिए, ताकि आउटकम इंडिकेटर्स के लक्ष्यों को हासिल किया जा सके।

मुख्य सचिव ने अपने प्रोडक्ट्स के प्रचार प्रसार के लिए भी विशेष प्रयास किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रोडक्ट की पब्लिसिटी के बिना निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करना आसान नहीं होगा। उन्होंने पब्लिसिटी के लिए भी वार्षिक कार्ययोजना तैयार किये जाने की बात कही।

मुख्य सचिव ने पर्यटन की दृष्टि से प्रदेश के लिए शॉर्ट टर्म, मीडियम टर्म और लॉन्ग टर्म योजना तैयार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यटन सर्किट और डेस्टिनेशन बनाने के साथ-साथ जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने पर ध्यान दिया जाए, साथ ही हॉस्पिटैलिटी व पर्यटन प्रोजेक्ट्स में प्राइवेट सेक्टर के निवेशकों को भी शामिल किया जाए। मुख्य सचिव ने प्रदेश के युवाओं को गाइड प्रशिक्षण दिए जाने की दिशा में कार्य किए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि इसे इंस्टीट्यूशनल किया जाए।

प्रशिक्षण मॉड्यूल इस प्रकार से तैयार किए जाएँ कि प्रशिक्षित युवाओं को प्रदेश के साथ-साथ, पूरे भारत और ओवरसीज में कहीं भी रोजगार मिल सके। उन्होंने वाईब्रेंट विलेज के लिए भी विशेष प्रयास किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में ग्लैपिंग प्रोजेक्ट्स की काफी डिमांड है। उन्होंने इसके लिए स्थान चिह्नित कर ग्लैपिंग प्रोडक्ट विकसित किए जाने के भी निर्देश दिए।

इस अवसर पर सचिव धीराज गर्ब्याल एवं अपर सचिव अभिषेक रोहिला सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

22.55 करोड़ रुपये के साइबर फ्रॉड नेटवर्क का खुलासा, छात्र गिरफ्तार

छह बैंक खातों से देशभर में ठगी का कनेक्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। खेसरहा पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक छात्र को गिरफ्तार किया है, जिसके बैंक खातों का संबंध देश के विभिन्न राज्यों में दर्ज 17 साइबर ठगी के मामलों से जुड़ा मिला है। पुलिस जांच में करीब 22 करोड़ 55 लाख 91 हजार 598 रुपये की संदिग्ध ऑनलाइन लेनदेन श्रृंखला सामने आई है। हालांकि पुलिस का कहना है कि यह पूरी धनराशि आरोपी के खातों में नहीं आई थी, बल्कि जांच में उसके खातों में कुल 61,146.66 रुपये के साइबर फ्रॉड से जुड़े लेनदेन की पुष्टि हुई है। मामले में पुलिस पूरे नेटवर्क की गहन जांच कर रही है। पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर चलाए जा रहे 'साइ-वज्र' अभियान के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में खेसरहा थाना पुलिस और साइबर सेल ने एनसीआरपी व समन्वय पोर्टल पर संदिग्ध बैंक

खातों की जांच की। जांच में वर्ष 2024-25 के दौरान आरोपी के एक म्यूल खाते से जुड़े नौ साइबर फ्रॉड मामलों में 15.47 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का पता चला, जिनमें से 24,230.66 रुपये आरोपी के खाते में पहुंचे थे। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी नसीम अहमद (20) पुत्र औसाफ अहमद, निवासी बेलवालगुनही, थाना खेसरहा ने बताया कि वह ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग कर साइबर ठगी की रकम अपने बैंक खातों में मंगवाता था। इसके बाद उसी धनराशि को विभिन्न खातों में स्थानांतरित कर नेटवर्क के माध्यम से आगे भेजता था। इस उद्देश्य से उसने यूनियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, अर्बन कोऑपरेटिव बैंक और इंडियन पोस्ट पेमेंट्स बैंक में अपने नाम से छह बैंक खाते खुलवा रखे थे। जांच के दौरान उसके तीन अन्य खातों के खिलाफ आठ और साइबर शिकायतें सामने आईं, जिनमें 7.08 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी दर्ज मिली। इनमें से 36,916 रुपये आरोपी के खातों में आने की पुष्टि हुई। इस प्रकार उसके खातों का संबंध कुल 17 साइबर फ्रॉड मामलों से जुड़ गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक आईफोन, एक वीवो मोबाइल, एचपी कंपनी का लैपटॉप, 20 हजार रुपये नकद, चार बैंक पासबुक, पांच एटीएम कार्ड तथा अन्य बैंकिंग दस्तावेज बरामद किए हैं। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी लालच में अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, चेकबुक या बैंकिंग विवरण किसी अन्य व्यक्ति को न दें। ऐसे बैंक खातों का उपयोग साइबर अपराधी म्यूल अकाउंट के रूप में करते हैं और इसमें संलिप्त पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध भी कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नवागत बीडीओ ने ब्लॉक रूदौली का पुनः किया पद ग्रहण

ब्लॉक के अधिकारी/कर्मचारी गण ने माल्यार्पण कर किया जोरदार स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

शुजागंज अयोध्या। रूदौली विकास खण्ड के अनुभवी प्रशासनिक खण्ड विकास अधिकारी अखिलेश कुमार गुप्ता ने पुनः रूदौली ब्लॉक में बीडीओ का पद भार ग्रहण किया। नवागत बीडीओ के पद भार ग्रहण करते ही सहायक विकास अधिकारी भगवानदीन के नेतृत्व में ब्लॉक रूदौली के समस्त अधिकारी,कर्मचारी गण द्वारा गुलाब के फूल के बुके, एवं माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया। बताते चलें कि उनकी पुनः तैनाती के आदेश के बाद विकासखंड के अधिकारियों, कर्मचारियों में सकारात्मक माहौल देखा गया।

अखिलेश कुमार गुप्ता इससे पहले भी रुदौली में बीडीओ के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके पूर्व कार्यकाल को विकास कार्यों, प्रशासनिक दक्षता और जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए याद किया जाता है। उनके

नेतृत्व में कई विकास योजनाओं को गति मिली थी तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की भी सराहना हुई थी। प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों का कहना है कि श्री गुप्ता की कार्यशैली सरल, पारदर्शी और परिणामोन्मुख रही है। वह विकास कार्यों की नियमित समीक्षा करने के साथ-साथ गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते थे। यही कारण है कि उनकी दोबारा तैनाती को विकासखंड के लिए सकारात्मक कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर भगवान दीन एडीओ आरडी, मिथुन कुमार, ऋषि कुमार यादव, लवकुश यादव, अखिलेश सिद्धार्थ, अनुजा द्विवेदी, देवेन्द्र पाण्डेय, असरफ हुसैन,पवन कुमार संजय वर्मा, बिंद्रा चौरसिया, रमेश वर्मा सहित समस्त कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में आई0जी0आर0एस0, कर-करेत्तर एवं राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक हुयी आयोजित

अधिकारीगण संदर्भो का ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें सुनिश्चित-डीएम

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में आई0जी0आर0एस0, कर-करेत्तर एवं राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त व राजस्व) सत्य प्रकाश व अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) चंद्रेश कुमार सिंह उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी द्वारा आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर मुख्यमंत्री संदर्भ, आयुक्त संदर्भ, जिलाधिकारी संदर्भ, तहसील दिवस संदर्भ सहित अन्य संदर्भों एवं लम्बित शिकायतों/प्रकरणों के निस्तारण की विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकारीगण आइ0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त संदर्भों को निर्धारित समय सीमा के अन्दर अवश्य निस्तारित कर दें, जिससे कोई भी संदर्भ डिफाल्टर की श्रेणी में न जाए। संदर्भों के निस्तारण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि संदर्भ से संबंधित अधिकारी/कर्मचारी यदि मौके का निरीक्षण/भ्रमण करने की आवश्यकता हो तो मौके पर जाकर ही मामले का नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ज्यादा संख्या में शिकायतकर्ता की असंतुष्टि का फीडबैक यह दशार्ता है की शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता का अभाव है और निस्तारण के समय शिकायतकर्ता का पक्ष नहीं लिया गया अथवा शिकायतकर्ता से संपर्क नहीं किया गया। जिलाधिकारी द्वारा समस्त विभागीय अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि असंतुष्ट फीडबैक के प्रकरणों में अधिकारीगण पूरी रिपोर्ट के साथ ही आगामी बैठक में प्रतिभाग करेंगे। जिलाधिकारी ने आई0जी0आर0एस0 पोर्टल से संबंधित शिकायती प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए समस्त

विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि संदर्भों के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता की संतुष्टि का फीडबैक पर विशेष ध्यान दिया जाए।

उन्होंने कहा कि संदर्भों के निस्तारण में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखें जिससे संतुष्टि का फीडबैक बेहतर मिले। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हो एवं जनसामान्य के शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी विभागीय अधिकारीगणों को निर्देशित किया कि उनके विभाग से संबंधित योजनाओं एवं निर्माण कार्यों में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति पर विशेष ध्यान दें, जिससे सीएम डैशबोर्ड पर जनपद की रैंकिंग अच्छी बनी रहे। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि जिन विभागों/विभागीय अधिकारियों द्वारा विभागीय योजनाओं के सुचारू संचालन में लापरवाही करने अथवा संदर्भों/शिकायतों का समय से निस्तारण न करने के कारण जनपद की रैंकिंग प्रभावित हो रही है उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

जिलाधिकारी ने समीक्षा बैठक में कर-करेत्तर की समीक्षा के दौरान आबकारी, व्यापार कर, परिवहन, स्टाम्प शुल्क, विद्युत देयों की वसूली, वन विभाग, सिंचाई एवं नलकूप, नगर निकायों में राजस्व संग्रह की स्थिति, खनन, मण्डी समिति, बांट माप, खाद्य एवं सुरक्षा सहित अन्य राजस्व संग्रह से सम्बन्धित विभागों द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व देयों की वसूली की विस्तृत समीक्षा की गयी।

जिलाधिकारी नें लक्षित राजस्व देयों की वसूली में सुधार लाते हुये समय सीमा के अन्दर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर उपायुक्त श्रम एवं रोजगार प्रभात द्विवेदी, उप जिलाधिकारी खलीलाबाद हृदय राम तिवारी, उप जिलाधिकारी मेहदावल अरुण कुमार, उप जिलाधिकारी धनघटा रविकांत चौबे, उप जिलाधिकारी (न्यायिक) संजीव राय, उप जिलाधिकारी डॉ0 सुनील कुमार, तहसीलदार खलीलाबाद आनंद ओझा, तहसीलदार मेहदावल अल्पिका वर्मा, तहसीलदार धनघटा राम जी, सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा सतीश कुमार, उपायुक्त राज्य कर राजेश कुमार पांडेय, उप निदेशक कृषि डॉ0 राकेश कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता विद्युत राजेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक उपेंद्र कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी अरुण कुमार, जिला आबकारी अधिकारी संजय कुमार, लीड बैंक मैनेजर पवन कुमार सिन्हा, एआरटीओ प्रियंवदा सिंह, जिला बांट-माप अधिकारी वीपी वर्मा, ईडीएम राकेश कुमार सिंह, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका अवधेश भारती व सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सरोज सहित जनपद स्तरीय अधिकारीगण सहित राजस्व एवं अन्य विभागों से संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

मगहर बाईपास पर क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय का हुआ भव्य स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। खलीलाबाद सदर भाजपा के पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे की अगुवाई में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा विनोद राय को गोरखपुर का क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाए जाने के बाद जिले में उनके प्रथम आगमन पर मगहर बाईपास पर ढोल नगाड़ों व सैकड़ो कार्यकताओं के साथ भव्य स्वागत किया गया।

स्वागत समारोह में भाजपा की एकजुटता और सांगठनिक शक्ति की एक अभूतपूर्व तस्वीर देखने को मिली। जय चौबे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पार्टी की जिला अध्यक्ष नीतू सिंह, जिला प्रभारी अजय सिंह गौतम और जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव सहित भारी संख्या में पदाधिकारियों ने क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। वहीं मगहर दुर्गा मंदिर चौराहे पर नगर पंचायत मगहर की पूर्व चेयरमैन व महिला मोर्चा की प्रदेश कार्य समिति सदस्य संगीता वर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों पार्टी कार्यकताओं समर्थकों के साथ जोरदार स्वागत किया गया इसी क्रम में भाजपा नेता मनोनीत सभासद गण गौरव निषाद व इंजीनियर अरुण गुप्त के द्वारा भी भव्य स्वागत किया गया।

इस असदर पर भाजपा नेता प्रदीप गुप्ता,सुजीत गुप्त, संदीप मिश्र, अत्रेश श्रीवास्तव, शैलेश श्रीवास्तव, गोविन्द यादव, भोलू पासवान और नीरज तिवारी सहित सैकड़ों कार्यकताओं और हजारों समर्थकों की उपस्थिति रही।

प्रयागराज में शगुन ग्रुप की पहली शाखा का भव्य शुभारंभ, धोलेरा स्मार्ट सिटी में निवेश के अवसरों से कराया अवगत

वेलकम इंडिया ब्यूरो

प्रयागराज। भारत के पहले और सबसे बड़े ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट शहर धोलेरा स्मार्ट सिटी की विकास योजनाओं एवं निवेश की संभावनाओं को लेकर प्रयागराज में शगुन ग्रुप एवं शमंता बिल्डर्स की पहली शाखा का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर आयोजित भव्य गेट-टुगेदर कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथि, निवेशक और शहरवासी शामिल हुए। कार्यक्रम में बताया गया कि गुजरात के अहमदाबाद से लगभग 100 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र (एसआईआर) लगभग 920 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना, अत्याधुनिक औद्योगिक सुविधाएं, उत्कृष्ट सड़क एवं परिवहन व्यवस्था, हरित एवं प्रदूषण रहित वातावरण तथा सतत विकास के साथ भविष्य का आधुनिक स्मार्ट शहर विकसित करना है। वक्ताओं ने बताया कि धोलेरा स्मार्ट सिटी परियोजना को औद्योगिक, आवासीय, उच्च पहुंच गलियारा, सामुदायिक सुविधाएं, सड़कें, पर्यटन, मनोरंजन, खेल एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विभाजित कर योजनाबद्ध तरीके से विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना देश और विदेश के निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रही है। कार्यक्रम में यह भी जानकारी दी गई कि शगुन ग्रुप के शमंता बिल्डर्स धोलेरा एसआईआर में प्रीमियम रिहायशी प्लॉट उपलब्ध करा रहे हैं। कंपनी पारदर्शिता, गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ लोगों को भविष्य की स्मार्ट सिटी में सुरक्षित निवेश का अवसर प्रदान कर रही है। कंपनी के संस्थापक एवं निदेशक भवदीप सिंह चुडासमा ने अपनी कार्यशैली और विश्वसनीयता के दम पर स्वयं को धोलेरा के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर्स में स्थापित किया है। इसी क्रम में प्रयागराज में कंपनी की पहली शाखा का शुभारंभ किया गया तथा सीमा सिंह को शाखा प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई। शाखा के शुभारंभ के उपलक्ष्य में आयोजित गेट-टुगेदर कार्यक्रम का सफल संचालन इंदौर की मोनिका शर्मा ने किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को धोलेरा स्मार्ट सिटी की विशेषताओं, विकास योजनाओं और निवेश के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में टीम लीडर धर्मेंद्र केसरवानी एवं महेश गुप्ता के आमंत्रण पर कई विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। सभी अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और शगुन ग्रुप की इस नई पहल की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिन ग्राहकों ने प्लॉट बुक कराए, उन्हें विशेष कूपन प्रदान किए गए। लकी ड्रा के माध्यम से कई भाग्यशाली ग्राहकों को आकर्षक उपहार भी दिए गए। आयोजकों ने बताया कि प्लॉट बुकिंग पर कूपन एवं उपहार योजना का लाभ सीमित समय के लिए उपलब्ध है। उन्होंने इच्छुक लोगों से इस विशेष अवसर का लाभ उठाने की अपील भी की।

बारिश के चलते चार बिजली पोल और तार धराशाई, आपूर्ति ठप होने पर ग्रामीणों का प्रदर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बेलहर विकास खंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत समन्था में लगातार हो रही बारिश के कारण चार बिजली के पोल और विद्युत तार धराशाई हो गए। पिछले तीन दिनों से लगभग एक दर्जन घरों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली आपूर्ति ठप होने से पेयजल की व्यवस्था, मोबाइल चार्जिंग सहित दैनिक कार्य प्रभावित हो गए हैं। समस्या का समाधान न होने से नाराज ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर विद्युत विभाग के खिलाफ आक्रोश जताया और जल्द से जल्द पोल व तार की मरम्मत कर बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की। प्रदर्शन करने वालों में दुखरन उपाध्याय, राजेश उपाध्याय, रवि, घनश्याम, राकेश, गफ्फार हुसैन, सिम्पू सिंह, सैफली, लाल मोहम्मद सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन तेज करने को बाध्य होंगे।

क्या बोले जेई: इस संबंध में विद्युत विभाग के अवर अभियंता (जेई) अशोक कुमार ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है। लगातार बारिश के कारण जमीन दलदली हो जाने से बिजली के खंभों को दोबारा खड़ा करने में तकनीकी कठिनाई आ रही है। उन्होंने कहा कि विभाग की टीम जल्द ही मरम्मत कार्य पूरा कर बिजली आपूर्ति बहाल कर देगी।

वन विभाग ने मनाया 'सहजन भंडारा', विभिन्न रेंजों में बांटे गए पौधे

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सामाजिक वानिकी वन प्रभाग सिद्धार्थनगर की ओर से प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) नीला एम. के निर्देश पर मंगलवार को जिले की विभिन्न वन रेंजों में 'सहजन भंडारा' का आयोजन किया गया।

इस दौरान विकासखंड परिसरों, विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर सहजन के पौधों का वितरण कर लोगों को पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। बांसी रेंज में क्षेत्रीय वनाधिकारी शिवकुमार गुप्ता के निर्देशन में विकासखंड परिसर में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी कृतिका अवस्थी ने की। वहीं खेसरहा रेंज में क्षेत्रीय वनाधिकारी सुशील कुमार की देखरेख में विकासखंड मिठवल परिसर में जनप्रतिनिधियों, समूह की महिलाओं और कर्मचारियों के बीच पौधों का वितरण किया गया तथा पौधरोपण कराया गया।

इटवा रेंज में क्षेत्रीय वनाधिकारी मोहम्मद इलियास खान के नेतृत्व में श्रीमती यशोदा देवी पांडेय कन्या इंटर कॉलेज में सहजन के पौधे वितरित किए गए। विद्यालय परिसर में प्रधानाचार्य, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

इसी क्रम में डुमरियागंज और नौगढ़ रेंजों में भी सहजन भंडारा एवं पौध वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

कार्यक्रमों में वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि,

क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद ने थाना कोतवाली खलीलाबाद पर नियुक्त विवेचकों का किया गया अर्दली रुम, दिये गये आवश्यक दिशा निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन में क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय ने सर्किल खलीलाबाद अंतर्गत थाना कोतवाली खलीलाबाद पर नियुक्त समस्त विवेचकों का अर्दली रूम किया गया ।

अर्दली रूम के दौरान थाना कोतवाली खलीलाबाद पर लंबित विवेचनाओं की बिंदुवार एवं विस्तृत समीक्षा की गयी । लंबे समय से लंबित प्रकरणों के सम्बन्ध में सम्बन्धित विवेचकों से कारण ज्ञात करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए गए कि किसी भी दशा में अकारण विवेचना लंबित न रखी जाए।

सभी विवेचनाओं का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, साक्ष्य संकलन, गवाहों के बयान एवं अन्य विधिक कार्रवाई समय से पूर्ण की जाए ।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया गया यौधारोपण

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। जनपद के विभिन्न शिक्षण संस्थानों एवं ग्राम पंचायतों में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से एक पेड़ माँ के नाम थीम पर वृहद वृक्षारोपण महायज्ञ का आयोजन किया गया । जनपद के डी.एन.शर्मा इण्टर कॉलिज बहेड़ी ब्रह्मनान में प्रबन्धक पं.राधेश्याम शर्मा, प्रधानाचार्य दाऊद अली, मुमताज हुसैन, फाकीर हुसैन, राजेन्द्र सिंह, अवधेश कुमार, भोले सिंह, ओमपाल सिंह आदि ने कॉलिज प्रांगण में औषधीय एवं फलदार पौधों का रोपण किया ।

वहीं दूसरी ओर बहुदेशीय सहकारी समिति में समिति अध्यक्ष पं.राधेश्याम शर्मा, एसडीओ कोआपरेटिव अनुज कुमार चौहान, समिति सचिव विरेन्द्र सिंह, सहायक एकाउंटेंट विनीत कुमार, डाइरेक्टर डा. जाकिर हुसैन ने तथा पंचायत भवन पर ग्राम प्रधान पति पंकज भारद्वाज, ग्राम पंचायत अधिकारी जकी अनवर, राशन डीलर रविन्द्र सिंह, जगपाल सिंह, शाहनवाज, मुसर्रत अंसारी, रिजवान पधान आदि ने फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

शिक्षाविद पं.राधेश्याम शर्मा ने बताया कि माँ हमें जीवन देती है और वृक्ष जीवन को संरक्षित करते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माँ के सम्मान में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए।

एसडीओ कोआपरेटिव अनुज कुमार चौहान ने बताया कि बढते पर्यावरण प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण ही प्रभावी उपाय है।

अहमद खान का संसद सचिवालय में सचिव पद पर हुआ चयन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विकास खंड सेमरियावां के गांव दुधारा निवासी अहमद खान पुत्र अब्दुल कदीर खान का संसद सचिवालय में सचिव पद पर चयन हुआ है। अपनी लगन, मेहनत के बल पर उनको यह मुकाम हासिल कर जनपद का नाम रोशन किया है।

ग्राम प्रधान अब्दुल कलाम, मुबारक हुसैन,मोहम्मद अहमद खान, हाजी वसी अहमद खान, मोहम्मद शाहिद, मोहम्मद तव्वाब, एडवोकेट मुहम्मद सलीम, गुफरान अहमद सहित दर्जनों लोगों ने इस उपलब्धि हासिल करने पर मुबारकबाद दिये हैं।

पुलिस सैलरी पैकेज बीमा योजना का बड़ा सहारा: दिवंगत आरक्षी के परिवार को मिला एक करोड़ रुपये का बीमा चेक

एसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने दिवंगत आरक्षी रमेशचंद्र शुक्ला की पत्नी को सौंपा चेक, कहा कठिन समय में परिवारों के लिए सुरक्षा कवच है पुलिस सैलरी पैकेज योजना

वेलकम इंडिया ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। जनपद खीरी में पुलिस परिवार के लिए संवेदनशीलता और सामाजिक सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण उदाहरण उस समय देखने को मिला, जब भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की पुलिस सैलरी पैकेज बीमा योजना के अंतर्गत दिवंगत आरक्षी रमेशचंद्र शुक्ला के परिजनों को एक करोड़ रुपये की बीमा राशि का चेक प्रदान किया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग ने अपने कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिवंगत आरक्षी की पत्नी श्रीमती रेनू शुक्ला को एक करोड़ रुपये का चेक सौंपते हुए परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। दिवंगत आरक्षी रमेशचंद्र शुक्ला थाना गोला में नियुक्त थे। 30 जून 2025 को वह सरकारी कार्य से जाते समय सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए थे, जिसमें उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। उपचार के दौरान 1 जुलाई 2025 को उनका निधन हो गया था। उनके असामयिक निधन से न केवल पुलिस विभाग बल्कि परिवार पर भी दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। ऐसे कठिन समय में पुलिस सैलरी पैकेज बीमा योजना के अंतर्गत एसबीआई द्वारा एक करोड़ रुपये की अनुकम्पा बीमा राशि प्रदान की गई, जिससे परिवार को आर्थिक सुरक्षा और भविष्य के लिए महत्वपूर्ण संबल मिला। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग ने कहा कि पुलिसकर्मी दिन-रात अपनी जान की परवाह किए बिना कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आमजन की सुरक्षा के लिए कार्य करते हैं। ऐसे में यदि किसी पुलिसकर्मी के साथ सेवा के दौरान कोई अप्रिय घटना घट जाती है तो उसके परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पुलिस सैलरी पैकेज बीमा योजना इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, ताकि किसी भी पुलिसकर्मी के निधन की स्थिति में उसके परिवार को

तत्काल आर्थिक सहयोग मिल सके और उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में सहायता प्राप्त हो। एसपी ने दिवंगत आरक्षी रमेशचंद्र शुक्ला की सेवाओं को याद करते हुए कहा कि उनका समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा सदैव स्मरणीय रहेगी। उन्होंने परिवार को आश्वस्त किया कि पुलिस विभाग हर परिस्थिति में अपने जवानों और उनके परिजनों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि पुलिस परिवार केवल सेवा के दौरान ही नहीं, बल्कि किसी भी विपरीत परिस्थिति में अपने साथियों और उनके आश्रितों का सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार राय भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी दिवंगत आरक्षी के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह बीमा सहायता केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि पुलिस परिवार के प्रति संस्थागत जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का प्रतीक है। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक धीरज कुमार सिंह ने कहा कि एसबीआई की पुलिस सैलरी पैकेज बीमा योजना पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। उन्होंने बताया कि बैंक पुलिस विभाग के साथ मिलकर ऐसी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रहा है, ताकि जरूरत के समय लाभार्थियों को बिना किसी अनावश्यक विलंब के सहायता मिल सके। मुख्य शाखा प्रबंधक एसबीआई खीरी सौरभ पाण्डेय ने भी योजना की जानकारी देते हुए कहा कि पुलिस सैलरी पैकेज केवल बैंकिंग सुविधा नहीं, बल्कि पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों के लिए एक व्यापक सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी बैंक इस प्रकार की योजनाओं के माध्यम से पुलिस परिवारों को हरसंभव सहयोग देता रहेगा। कार्यक्रम के दौरान मौजूद अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों ने दिवंगत आरक्षी रमेशचंद्र शुक्ला को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर पुलिस विभाग और एसबीआई के अधिकारियों ने यह भी दोहराया कि पुलिस कर्मियों के कल्याण और उनके परिवारों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। यह आयोजन न केवल एक आर्थिक सहायता प्रदान करने का अवसर था, बल्कि इस बात का भी संदेश था कि कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिसकर्मियों के परिवारों को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा।

जनपद स्तरीय वृहद रोजगार मेले में 116 युवाओं को मिला रोजगार

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रतापगढ़। दिनांक 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष्य में आज जनपद प्रतापगढ़ में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) परिसर स्थित टाटा टेक्नोलॉजी वर्कशॉप में जनपद स्तरीय वृहद रोजगार मेले का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सदर विधायक राजेन्द्र कुमार मौर्य ने फीता काटकर, मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में नोडल प्रधानाचार्य एवं जिला समन्वयक उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन आलोक कुमार ने मुख्य अतिथि का बुके एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक राजेन्द्र कुमार मौर्य ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में केंद्र एवं प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़ने के लिए अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित कर रही है।

उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे केवल नौकरी प्राप्त करने तक ही सीमित न रहें, बल्कि अपने कौशल और अनुभव के बल पर ऐसे उद्यमी बनने का लक्ष्य निर्धारित करें जो भविष्य में अन्य युवाओं को भी रोजगार उपलब्ध करा सकें। नोडल

प्रधानाचार्य आलोक कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके माध्यम से समाज के अंतिम छोर तक रहने वाले अल्पशिक्षित एवं बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न ट्रेडों में गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त युवा अनुभव अर्जित कर स्टार्टअप एवं उद्यमिता के माध्यम से स्वयं का उद्योग स्थापित कर दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित कर सकते हैं। रोजगार मेले में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन एवं आईटीआई के लगभग 283 प्रशिक्षणार्थियों ने ब्लिंकिट कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड, स्पेक्ट्रम, श्री साई फ्रूट एंड एग्री डेवलपमेंट इंडस्ट्री, ग्रो, उड़ान, शुभ मसाला, याजाकी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, केयर हेल्थ नर्सेस प्राइवेट लिमिटेड, एल एंड टी कंस्ट्रक्शन, यूनिक सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, बिरयानी बीस तथा एसवीजी एक्सप्रेस सहित विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में साक्षात्कार दिया। चयन प्रक्रिया के बाद 116 अभ्यर्थियों का विभिन्न कंपनियों में चयन किया गया। इस अवसर पर विधायक सदर ने चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में एमआईएस प्रबंधक भूपेन्द्र सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक रवीन्द्र पाण्डेय, कार्यदेशक जीआईटी एम.पी. मिश्रा सहित उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के समस्त प्रशिक्षण प्रदाता, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। रोजगार मेले के माध्यम से युवाओं में रोजगार के प्रति उत्साह और आत्मनिर्भर बनने की नई ऊर्जा देखने को मिली।

भाजपा नेत्री अर्पणा सिंह त्रिपाठी की कार से हुई चोरी

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। स्याना में भाजपा नेत्री श्रीमति अर्पणा सिंह त्रिपाठी के कार्यालय के बाहर खड़ी उनकी कार का शीशा तोड़कर कार में रखा बैग चोरी कर लिया गया। बैग में नगदी, सोने की अंगूठी व बैंक खाते से संबंधित एटीएम व क्रेडिट कार्ड थे। श्रीमति अर्पणा सिंह त्रिपाठी ने स्याना पुलिस को घटना के संबंध में तहरीर देकर चोरी हुए सामान की बरामदगी की मांग की है। सुश्री अर्पणा सिंह त्रिपाठी ने तहरीर में अवगत कराया है कि उनका कार्यालय कोतवाली रोड पर स्थित है तथा वर्तमान में अपने आफिस पर ही निवास कर रही हैं। बताया कि कार्यालय के सामने अपनी कार खड़ी कर वे अपने कार्यालय/आवास पर चली गई थीं। कार में उनका पर्स रखा रह गया था, जिसमे बैंक खाते से संबंधित एटीएम क्रेडिट कार्ड, 50 हजार रुपए व एक सोने की अंगूठी रखी थी। अवगत कराया है की अर्धरात्रि के दौरान अज्ञात चोर कार का शीशा तोड़कर पर्स ले गया, जोकि सीसीटीवी कैमरे में दिखाई दे रहा है। घटना की जानकारी सुबह के वक्त कार पर जाने पर हुई। सुश्री अर्पणा सिंह त्रिपाठी ने पुलिस से आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रामनारायण सिंह ने घटना के शीघ्र खुलासे की बात कही है।

हाईस्कूल की छात्रा को बहला-फुसलाकर ले जाने और दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। नगर के एक कॉलेज के बाहर से कक्षा 10 की छात्रा को बहला-फुसलाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में जहांगीराबाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मुख्य आरोपी को बुलंदशहर के स्याना अड्डा से गिरफ्तार कर लिया है, जिसके बाद उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता के पिता द्वारा दी गई तहरीर में बताया गया है कि ग्राम उटरावली निवासी विवेक पुत्र प्रेम सिंह, छात्रा को कॉलेज के बाहर से अपनी बाइक पर बैठाकर ले गया था। आरोप है कि आरोपी छात्रा को हजरतपुर स्थित एक होटल में ले गया और उसे कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया।घटना के बाद से ही छात्रा बुरी तरह डरी हुई थी और लोकलाज के भय से उसने कुछ समय तक किसी को कुछ नहीं बताया। हालांकि, तीन दिन पूर्व उसने हिम्मत जुटाकर अपने परिजनों को पूरी आपबीती सुनाई। बेटी की बात सुनकर परिजन स्तब्ध रह गए और तुरंत कोतवाली पहुंचकर आरोपी के खिलाफ नामजद तहरीर दी। कोतवाली प्रभारी धर्मेंद्र राठौर ने बताया कि मामला गंभीर धाराओं से जुड़ा था, जिसे संज्ञान में लेते हुए पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज किया और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी करते हुए मुख्य आरोपी विवेक को बुलंदशहर के स्याना अड्डा से धर दबोचा और आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उसे आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहाँ से आदेशानुसार उसे जेल भेज दिया गया है।

नूरपुर नगर से 15 वी वार अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुए श्रद्धालु : अशोक चौधरी

वेलकम इंडिया संवाददाता

नूरपुर। गत वर्षो की भर्ती इस वर्ष भी 52 श्रद्धालुओं का जत्था 15वी वार अशोक चौधरी के नेतृत्व में अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ। रवाना होने से पहले सभी श्रद्धालु थाना रोड पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर पर एकत्रित हुए वहां से पूजा अर्चना के पश्चात हर हर महादेव,जय बफार्नी बाबा आदि जय घोष व नारे लगाते हुए मेंन बाजार, शिव मंदिर चौक, रोडवेज, शहीद तिराहा होते हुए मंडी समिति पहुंचे श्रद्धालुओं का जगह-जगह जलपान व पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। मंडी समिति से श्रद्धालुओं का जत्था बस में सवार होकर अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ। अमरनाथ यात्रा में जाने वाले अशोक चौधरी, डॉ जिरेन्दर चौहान, पुष्पेंद्र शेखावत, नितिन चौधरी, भीम सिंह, रवि शर्मा, डॉ अरविंद कुमार, मनोज आदि श्रद्धालु रहे। श्रद्धालुओं को रवाना करने के लिए पूर्व मंत्री महावीर सिंह, कुंवर रविंद्र सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष निशांत कर्णवाल, जितेंद्र बेस, अनिल जुनेजा, जितेन्द्र चौधरी, निपेंद्र चौधरी, कमलेश प्रजापति सहित बड़ी संख्या में भक्त शामिल रहे।

आरपीएफ टीआरडी का जनजागरूकता अभियान, वाराणसी लोहता रेलखंड पर पत्थरबाजी रोकने को लेकर लोगों को किया जागरूक

चलती ट्रेनों पर पत्थरबाजी गंभीर अपराध आरपीएफ ने अभिभावकों और बच्चों से रेल सुरक्षा में सहयोग की अपील

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) वाराणसी एवं टीआरडी (TRD) विभाग वाराणसी द्वारा रेलगाड़ियों पर होने वाली पत्थरबाजी की घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान वाराणसी लोहता रेलखंड के किनारे रहने वाले लोगों,बच्चों एवं उनके अभिभावकों को रेल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

इस दौरान आरपीएफ अधिकारियों ने लोगों को बताया कि चलती ट्रेनों पर पत्थरबाजी करना गंभीर अपराध है जिससे यात्रियों की जान-माल को खतरा होने के साथ- साथ रेलवे संपत्ति को भी नुकसान पहुंचता है।उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कोई व्यक्ति रेलगाड़ियों या रेलवे के उपकरणों पर पत्थरबाजी करता हुआ दिखाई दे तो उसकी पहचान कर तत्काल रेलवे सुरक्षा बल को सूचना दें ताकि उसके विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जा सके। अभियान के दौरान अभिभावकों से विशेष रूप से आग्रह किया गया कि वे अपने बच्चों को रेलवे सुरक्षा के प्रति जागरूक करें तथा उन्हें इस प्रकार की गतिविधियों से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। साथ ही आसपास के लोगों को भी रेल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया।

रेलवे सुरक्षा बल ने कहा कि आमजन के सहयोग से ही रेलगाड़ियों पर पत्थरबाजी जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। यह जनजागरूकता अभियान वाराणसी लोहता रेलखंड पर सफलता पूर्वक संचालित किया गया।

सांसद एटेला राजेंदर जी ने किए गुरुदेव के दर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। परम पूज्य गुरुदेव सूरि सम्राट, राष्ट्ररत्न, अवंती तीर्थोद्धारक, खरतरगच्छाधिपति आचार्य भगवंत जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा., पूज्य गणिवर्य मयंकप्रभसागरजी म.सा. आदि ठाणा-9 के पावन सानिध्य में दिनांक 14 जुलाई 2026 को मेडचल-मल्काजगिरी के माननीय सांसद एटेला राजेंदर जी ने गुरुदेव के दर्शन-वंदन कर मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात श्रीसंघ द्वारा उनका बहुमान किया गया।इस अवसर पर जैन मंदिर 72 जिनालय, मेडचल की कोर कमेटी के सदस्य प्रदीप सुराणा एवं सतीश जाजू, अध्यक्ष नरपतचंद कानूनगो, सज्जनराज नाहर, श्रीमती शान्तिबाई मामनीय, प्रकाशचंद लुनिया, त्रिलोक झाबक, कपिल संकलेचा, मोतीलाल बोथरा, गौतमचंद गुगलिया, सुभाष पिरोदिया, विनय नाहटा, राकेश झाबक, मनीष बरलोटा एवं आतिश श्रीश्रीमाल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुठभेड़ में गौकशी के दो शातिर दबोचे, पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में लगी गोली

वेलकम इंडिया संवाददाता

लखीमपुर खीरी। मोहम्मदी (खीरी) जनपद में अपराधियों और अपराधियों की कमर तोड़ने के लिए चलाए जा रहे कड़े अभियान के तहत थाना मोहम्मदी पुलिस को मंगलवार को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने एक साहसिक मुठभेड़ के बाद गौ हत्या निवारण अधिनियम से संबंधित दो वांछित शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में मुख्य बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे पुलिस अभिरक्षा में तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में अवैध असलहा, कारतूस और गौकशी में इस्तेमाल होने वाले धारदार हथियार (आला कत्ल) बरामद किए हैं। मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी, पुलिस पर दागीं गोलियां जानकारी के अनुसार, एसपी खीरी डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देश पर मोहम्मदी पुलिस क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों और वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान प्रभारी निरीक्षक उमेश चन्द्र चौरसिया को मुखबिर से सटीक सूचना मिली कि गौकशी के मामले में वांछित शातिर अपराधी ननुआ उर्फ इकलाख अपने साथी के साथ क्षेत्र में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा है। सूचना मिलते ही हरकत में आई पुलिस टीम ने तत्काल जाल बिछाया और शंकरपुर पसगवां मार्ग से ग्राम सहदेवा जाने वाले रास्ते पर घेराबंदी कर ली। पुलिस को सामने देख खुद को घिरता पाकर बदमाशों ने आत्मसमर्पण करने के बजाय पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में ढेर हुआ बदमाश बदमाशों की दुस्साहसिक फायरिंग में मुख्य अभियुक्त ननुआ उर्फ इकलाख (31) निवासी ग्राम रसूलपुर के दाएं पैर में गोली लगी और वह वहीं गिर पड़ा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे और उसके साथी मोनिस (19) निवासी ग्राम मोहम्मदी सराय को मौके से दबोच लिया। ये दोनों आरोपी बीते 11 जुलाई को थाना मोहम्मदी पर दर्ज गौ हत्या निवारण अधिनियम के मुकदमे में वांछित चल रहे थे। हथियार, बाइक और आला कत्ल बरामद पुलिस ने गिरफ्तार किए गए बदमाशों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल होने वाले 01 अवैध तमंचा (315 बोर), 02 खोखा कारतूस, 02 जिंदा कारतूस, गौकशी में प्रयुक्त होने वाले 02 धारदार चाकू, 01 कुल्हाड़ी, 01 लकड़ी का ठीहा और घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल (HERO HF Deluxe, UP31BJ6318) बरामद की है। इकलाख पर दर्ज हैं गैंगस्टर सहित 5 मुकदमे पुलिस के मुताबिक, पकड़ा गया आरोपी ननुआ उर्फ इकलाख बेहद शातिर किस्म का अपराधी है, जिसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट, एनडीपीएस और गौ हत्या अधिनियम के 5 संगीन मामले दर्ज हैं, वहीं मोनिस पर भी पूर्व में 2 मुकदमे दर्ज हैं। इस मुठभेड़ के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जान से मारने के प्रयास (BNS) और आर्म्स एक्ट के तहत नया मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। एसपी खीरी ने जांबाज पुलिस टीम के इस त्वरित और साहसिक कार्य की पीठ थपथपाई है।

लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 321ए ने निकाली गो ग्रीन रैली

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रयागराज। लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 321ए के अंतर्गत टखऋक्लायन जोन चेयरपर्सन तृप्ति पनवार के नेतृत्व में 14 जुलाई को गो ग्रीन रैली एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन होली क्रॉस स्कूल, खुल्दाबाद में किया गया।

यह कार्यक्रम लायंस क्लब प्रयागराज झिलमिल एवं लायंस क्लब प्रयागराज रॉयल के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ढटखऋलायन उदय चंदानी जी, रीजन चेयरपर्सन लायन संतोष साहू जी एवं एनवायरनमेंट चेयरपर्सन लायन माला मिश्रा जी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

झिलमिल क्लब प्रेसिडेंट लायन माया गुप्ता जी एवं रॉयल क्लब के फाउंडर लायन संत कुमार जी सहित अन्य वरिष्ठ लायन सदस्य भी शामिल हुए।

कार्यक्रम में 210 से अधिक पौधे बच्चों, शिक्षकों एवं क्लब सदस्यों को वितरित किए गए। विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती समरीन हक जी ने लायंस क्लब के पर्यावरणीय प्रयास की सराहना की।

जोन चेयरपर्सन लायन तृप्ति पनवार ने कहा कि 'एक परिवार, एक पेड़' की अवधारणा को बढ़ावा देना ही इस अभियान का उद्देश्य है। प्रत्येक परिवार द्वारा एक पेड़ को अपनाकर उसकी देखभाल करने से ही हमारा भविष्य सुरक्षित होगा। सर्वश्रेष्ठ देखभाल करने वाले परिवारों को अगले वर्ष सम्मानित किया जाएगा।

सिगरा शोरूम में मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने लॉन्च किया 'नुवा' नैचुरल डायमंड्स कलेक्शन, आधुनिक डिजाइनों ने जीता ग्राहकों का दिल

प्राकृतिक हीरों की चमक और आधुनिक शिल्पकला का अनूठा संगम, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स में 'नुवा' कलेक्शन का भव्य शुभारंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के सिगरा स्थित शोरूम में प्रतिष्ठित अतिथियों,ग्राहकों एवं मलाबार टीम की गरिमामयी उपस्थिति में 'नुवा' नैचुरल डायमंड्स कलेक्शन का भव्य शुभारंभ किया गया। प्रकृति के अद्भुत स्वरूपों से प्रेरित इस विशेष कलेक्शन में आधुनिक डिजाइन, उत्कृष्ट शिल्पकला और प्राकृतिक हीरों की अनुपम चमक का अनूठा संगम देखने को मिला। लॉन्च कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्राहकों ने 'नुवा' कलेक्शन का अवलोकन किया और इसके विशिष्ट डिजाइनों, आधुनिक शैली तथा प्रीमियम फिनिश की सराहना की। शोरूम में ग्राहकों ने गर्मजोशी भरे आतिथ्य और विश्वस्तरीय खरीदारी अनुभव का आनंद लिया जिससे पूरा आयोजन उत्साहपूर्ण और यादगार बन गया। इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट अतिथियों ने 'नुवा' कलेक्शन का शुभारंभ करते हुए मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की गुणवत्ता, पारदर्शिता और उत्कृष्ट शिल्पकला के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह कलेक्शन आधुनिक महिलाओं की बदलती पसंद और वैश्विक फैशन ट्रेंड को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है जो हर विशेष अवसर पर एक अलग पहचान प्रदान करता है। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के प्रतिनिधियों ने बताया कि कंपनी ग्राहकों को नवीनतम डिजाइन, प्रमाणित प्राकृतिक हीरों और बेहतरीन खरीदारी अनुभव उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नुवा' नैचुरल डायमंड्स कलेक्शन इसी सोच का प्रतिबिंब है जो समकालीन विलासिता,उत्कृष्ट कारीगरी और कालातीत सुंदरत का आकर्षक मेल प्रस्तुत करता है। इस अवसर पर प्रकृति बेरी,अनीशा शाही,सोना मौर्य आदि उपस्थित रहे।

मैरिज लॉन व्यापारियों ने वीडीए के खिलाफ खोला मोर्चा

दो सूत्रीय मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम उपाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। वाराणसी। वाराणसी मैरिज लॉन व्यापार मंडल द्वारा विकास प्राधिकरण द्वारा काले कानून के आड़ में लॉन व्यापारियों के उत्पीड़न के विरोध में हुई महापंचायत के बाद 14 जुलाई 2026 मंगलवार को वाराणसी मैरेज लॉन व्यापार मण्डल का प्रतिनिधि मण्डल मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को प्रेषित दो सूत्रीय मांगों का ज्ञापन उपाध्यक्ष वाराणसी विकास प्राधिकरण को दिया। प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष के द्वारा नियमों में ढिलाई देने की बात कही गई तथा उपाध्यक्ष मृत्युंजय सोनकर द्वारा स्कूल और नर्सिंग होम संचालक के तर्ज पर केवल कवर्ड एरिया का शुल्क लेने की बात कही गई महामंत्री बबलू मिश्रा ने कहा कि हम व्यापारी नियमों से चलना चाहते हैं लेकिन नियम व्यवहारीक हो,जिसे वाराणसी विकास प्राधिकरण श्री पूर्ण बोरा ने सार्थक वार्ता में प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि आपकी बातों और मांगों को शासन तक पहुंचा दिया जाएगा और आप सभी भी अपने स्तर से शासन के साथ वार्ता और पत्राचार जारी रखें। प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से अजित सिंह बग्गा,शिव प्रकाश मौर्य,सदानंद पटेल,नरेंद्र सोनकर,संजीत कुमार,गुड्डू पटेल, राजेश श्रीवास्तव,अरुण गुप्ता, अजय गुप्ता,मदन, शेखर बाबा के अलावा सैकड़ो की संख्या में व्यापारी उपस्थित थे।

एसआरएम इंस्टीट्यूट में प्रेरणादायी इंडक्शन कार्यक्रम का किया गया सफल आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी), दिल्ली-एनसीआर परिसर, गाज़ियाबाद के कंप्यूटर एप्लीकेशन्स विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत हेतु इंडक्शन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन ईश्वरी ऑडिटोरियम में मंगलवार को किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों का संस्थान में हार्दिक स्वागत करना तथा उन्हें विश्वविद्यालय की शैक्षणिक संस्कृति, मूल्यों एवं अपेक्षाओं से परिचित कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ, जिसके पश्चात दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना संपन्न हुई।

कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. अर्निका जैन ने स्वागत भाषण देते हुए नवप्रवेशी विद्यार्थियों का अभिनंदन किया तथा उन्हें शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार और समग्र व्यक्तित्व विकास की दिशा में निरंतर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात डॉ. आर. पी. महापात्रा, डीन तथा डॉ. एस. विश्वनाथन, निदेशक ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों को अनुशासन, नैतिक मूल्यों, सतत अध्ययन तथा व्यावसायिक दक्षता के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों, अनुसंधान सुविधाओं तथा नवाचार के अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर कंप्यूटर एप्लीकेशन्स विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजीव कुमार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापी राष्ट्रीय गान के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं शैक्षणिक मार्गदर्शन के उद्देश्य से विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए गए। मुख्य परीक्षा अधीक्षक डॉ. विनोथ कुमार एम. ने 'शैक्षणिक ईमानदारीः निष्पक्षता सुनिश्चित करना, विश्वास को प्रेरित करना' विषय पर व्याख्यान देते हुए शैक्षणिक जीवन में ईमानदारी एवं नैतिक आचरण के महत्व पर प्रकाश डाला। यह इंडक्शन कार्यक्रम नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय जीवन की एक प्रेरणादायी शुरूआत सिद्ध हुआ। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को एसआरएमआईएसटी की शैक्षणिक परंपराओं, संस्थागत मूल्यों, छात्र सहायता प्रणाली तथा भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराया गया। यह आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, प्रेरणा एवं उत्कृष्टता की भावना विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

तहसील प्रशासन ने एलएमसी जमीन को कब्जा मुक्त कराया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उप जिलाधिकारी अजित सिंह के निर्देशन में तहसीलदार रजत सिंह,नायब तहसीलदार मुकेश कुमार शर्मा, क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक/क्षेत्रीय लेखपाल प्रमोद चौधरी की उपस्थिति में ग्राम भदौली तहसील मोदीनगर में स्थित भूमि खसरा संख्या-835 रकबा 0.0630है0 भूमि से जेसीबी मशीन द्वारा अवैध कब्जा हटवाया गया।

तहसील प्रशासन की ओर से मंगलवार को गांवों में सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया। इसके चलते पिछले कई बार से तहसील दिवस में मिल रही शिकायतों को निस्तारण भी संभव हो सका। एसडीएम मोदीनगर अजित सिंह के अनुसार, गांव भदौली, शेरपुर और याकूतपुर मवी में चकरोड को जेसीबी एवं ट्रैक्टर चलाकर कब्जा मुक्त कराया गया। मौके पर शिकायत करने वाले लोग भी मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त गांव तलहेटा में 13 बीघा एलएमसी जमीन को कब्जा मुक्त कराकर खंड विकास विभाग को सौपी गई। गांव सुराना में नाली एवं चकमार्ग पर पिछले एक साल से समस्या बनी थी। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जमीन को चिह्नित कर 11 शिकायतों को निस्तारण किया। गांव कादराबाद में चक मार्ग और नाली को कब्जा मुक्त कराया गया। एसडीएम ने बताया कि किसी भी सूरत में सरकारी जमीन पर कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आईफा मोदीनगर द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। इंस्टिट्यूट ऑफ फाइन आर्ट संस्थान में पर्यावरण संरक्षण, मातृत्व के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत एक वृहद पौधारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए इस राष्ट्रव्यापी अभियान से प्रेरित होकर कार्यक्रम में 150 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी मोदीनगर के मंडल महामंत्री अमितेश जैन एवं अनिल सेन ने कहा हमारी मां जीवन देती है और प्रकृति हमारा पालन पोषण करती है । अपनी मां के सम्मान में एक पेड़ लगाना, प्रकृति मां के प्रति भी हमारी गहरी कृतज्ञता है। संस्थान की मीडिया प्रभारी भौतेंद्र कुमार ने बताया संस्थान न केवल पौधारोपण कर रही है, बल्कि इन पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का भी संकल्प लेती है। इस पौधारोपण कार्यक्रम में आर.सी शर्मा, अमित कुमार बंसल, प्रीति शर्मा, दीपांशु, पलक, धर्मेंद्र , सोनू, इरफान , जोनी , एवं संस्थान के अनेक छात्र-छात्राओं ने पौधारोपण कार्यक्रम में परिश्रम किया।

विद्युत समस्याओं को लेकर लोगों ने बिजली घर पर प्रदर्शन कर दिया धरना

आक्रोशित लोगों ने अपने साथ अधिशासी अभियंता व एसडीओ को घंटों बैठाए रखा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले लाइनपार क्षेत्र की समस्याओं को लेकर सीकरी खुर्द बिजली घर पर सैकड़ों लोगों ने धरना प्रदर्शन कर अधिशासी अभियंता व एसडीओ को घंटों बैठाए रखा । इसके बाद अधिकारियों द्वारा चार दिन के भीतर समस्याओं के समाधान के आश्वासन पर मामला शांत हुआ। महीनों से चली आ रही लाइन पार क्षेत्र की विद्युत समस्याओं को लेकर मंगलवार को मोर्चे के अध्यक्ष डॉ बबली गुर्जर व महासचिव राहुल प्रधान के नेतृत्व में सीकरी रोड़ स्थित विद्युत विभाग के कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया गया। दरअसल लाइनपार के क्षेत्र सीकरी, खुर्द, नदनगरी, चूनाभट्टी, विश्कर्मा, बस्ती आधी, दर्जनों कॉलोनियों में बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से नहीं आने और लो वोल्टेज आने से क्षेत्र की जनता में महीनों से परेशान थी। इन्हीं समस्याओं को लेकर बिजली घर पर धरना प्रदर्शन किया गया। लगभग बारह बजे एक्शन व एसडीओ मोदीनगर लोगों के बीच पहुंचे। दोनों को आक्रोशित लोगों ने अपने साथ घंटों जमीन पर घंटों बैठाए रखा। बाद में दोनों पक्षों के बीच चली वार्ता के दौरान अधिशासी अभियंता ने चार दिन के अंदर नए ट्रांसफार्मर लगाकर लो वोल्टेज की समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। बबली गुर्जर व राहुल प्रधान ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि अगर 4 दिन में लोगों की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो बिजली घर पर तालाबंदी करके अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया जाएगा। इस मौके प्रमुख मुख्य रूप से बबली गुर्जर राहुल प्रधान निर्दोष खटाना, आलोक सभासद, धर्मबीर सभासद परवीन गुर्जर सभासद गुलाब सिंह सभासद सुनील प्रधान तिलकराज, बलबीर भड़ाना, साहब सिंह जगमाल मास्टर देव पंडित उत्तम प्रधान विपिन जिंदल गुड्डू लंबरदार आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

भाकियू कार्यकर्ताओं ने नगर पंचायत निवाड़ी कार्यालय पर किया प्रदर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। भाकियू टिकैत के कार्यकर्ताओं ने नगर पंचायत निवाड़ी कार्यालय पर प्रदर्शन कर जमकर हंगामा किया। आरोप है कि नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल त्यागी ने पद का दुरुप्रयोग कर अपने घर पर 70 लाख रूपए की मिट्टी सरकारी ट्रैक्टर से भराव कराया है। तहसीलदार ने जांच के लिए कमेटी का गठन किया है उधर,आरोपित चेयरमैन अनिल त्यागी ने इसे राजनीतिक साजिश के तहत आरोप बताया हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल त्यागी ने आरोपों को निराधार बताया है। भाकियू के जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र त्यागी और मनोनित सभासद रजनीश त्यागी, सतेंद्र वाल्मीकि, नितिन बंसल के साथ मंगलवार को सैकड़ों लोग एकत्र होकर नगर पंचायत निवाड़ी अध्यक्ष के कार्यालय पर पहुंचे और हंगामा किया। इसके बाद वह अधिशासी अधिकारी के कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए। बाद में एसडीएम को सबोधित ज्ञापन दिया गया।

आरकेजीआईटी में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आरकेजीआईटी के सी.सी.एस.यू. कैम्पस में एचसीपी टेक्नोलॉजी के तकनीकी सहयोग से 'डिजिटलाइजेशन एवं सतत विकास के लिए प्रबंधन और प्रौद्योगिकी का एकीकरणः विकसित भारत 2047 की ओर एक रोडमैप' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य डिजिटलाइजेशन, प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी के समन्वय के माध्यम से सतत विकास को बढ़ावा देना तथा विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. मोनिका सिंह, संस्थान के वाइस चेयरमैन श्री अक्षत गोयल, ग्रुप एडवाइजर डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. डी. के. चौहान तथा संगोष्ठी की कन्वेनर डॉ. शिवानी त्यागी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. मोनिका सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि डिजिटल भारत के निर्माण में प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी का समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध एवं तकनीकी नवाचारों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल ने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने के लिए शिक्षा, नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा उभरती प्रौद्योगिकियों पर शोध को आवश्यक बताया। ग्रुप एडवाइजर डॉ. लक्ष्मण प्रसाद ने समाज एवं उद्योग से जुड़े शोध को बढ़ावा देने पर बल दिया, जबकि एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. डी. के. चौहान ने आधुनिक प्रबंधन एवं तकनीकी नवाचारों के समन्वय को भारत की वैश्विक प्रगति का आधार बताया। संगोष्ठी में देशभर से आए 50 से अधिक शोधकताओं एवं शिक्षकों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। तकनीकी सत्रों में डिजिटलाइजेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग, स्मार्ट बिजनेस मॉडल, सतत विकास एवं उद्यमिता जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अंत में संगोष्ठी की कन्वेनर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. शिवानी त्यागी ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों तथा एचसीपी टेक्नोलॉजी के तकनीकी सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

30 मिनट तक लिफ्ट में कैद रहे चार बच्चे, अंधेरे में गूंजती रही हनुमान चालीसा

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की गैलेक्सी वेगा सोसायटी में सोमवार को बड़ा हादसा टल गया। सोसायटी के एक टावर की लिफ्ट में चार बच्चे अचानक फंस गए और करीब 30 मिनट तक बाहर नहीं निकल सके। लिफ्ट बंद होते ही अंदर अंधेरा छा गया, जिससे बच्चे घबरा गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बच्चों ने घबराने के बजाय हिम्मत दिखाई और खुद को शांत रखने के लिए लिफ्ट के भीतर हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर सोसायटी का मेंटेनेंस स्टाफ और सुरक्षा कर्मी मौके पर पहुंचे और काफी प्रयास के बाद लिफ्ट का दरवाजा खोलकर चारों बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के बाद बच्चों के परिजनों ने राहत की सांस ली, वहीं सोसायटी के निवासियों ने लिफ्टों के रखरखाव और नियमित तकनीकी जांच पर सवाल उठाए। लोगों का कहना है कि समय पर राहत नहीं मिलती तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। सोसायटी प्रबंधन ने मामले की जांच कर लिफ्ट की तकनीकी खामी दूर कराने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने का आश्वासन दिया।

युवक की हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर चौकी के सामने शव रखकर किया हंगामा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भोजपुर थाना क्षेत्र के चुड़ियाला गांव में एक युवक की कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामले में परिजनों ने शव चुड़ियाला चौकी के समक्ष रखकर पुलिस के खिलाफ जमकर हंगामा किया और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। आरोप है कि 10 जुलाई को युवक को खेत में ले जाकर डंडों से बेरहमी से पीटा गया था। गंभीर रूप से घायल युवक को पहले गाजियाबाद के एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हालत नाजुक होने पर उसे मेरठ के सुभारती अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान सोमवार, 13 जुलाई 2026 को घाल युवक ने दम तोड़ दिया। युवक की मौत की खबर फैलते ही गांव में आक्रोश फैल गया। परिजनों और ग्रामीणों ने न्याय की मांग को लेकर युवक का शव चुड़ियाला पुलिस चौकी के सामने रखकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि 8 से 10 लोगों ने युवक को खेत में ले जाकर डंडों से बेरहमी से पीटा, जिसके कारण उसकी मौत हुई। परिजनों के मुताबिक घटना के दौरान गांव की एक महिला खेत की ओर गई थी। शोर सुनकर वह मौके पर पहुंची। वहां उसने देखा कि कुछ लोग युवक के साथ मारपीट कर रहे थे। महिला ने तत्काल परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे, जहां युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा मिला। उसे पहले स्थानीय स्तर पर उपचार दिलाया गया, फिर एमएमजी अस्पताल ले जाया गया। बाद में उसे मेरठ के सुभारती अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। एसीपी मोदीनगर भाष्कर वर्मा ने बताया कि मामले में आकाश, योगेश, प्रथम व निशांत के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया है। पुलिस टीम दबिश दे रही हैं। आरोपी जल्द ही गिरफ्त में होंगे।

मदद करने पहुंचे थे, मौत बनकर आई तेज रफ्तार कार

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। सड़क हादसे में फंसे लोगों की मदद करना तीन युवकों को भारी पड़ गया। नगर कोतवाली क्षेत्र में एक पलटी कार को सीधा कराने की कोशिश कर रहे तीन युवकों को पीछे से तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवक कई फीट दूर जाकर सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल मानवता का परिचय देते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां दो युवकों की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बुलंदशहर जिले के थाना शिकारपुर क्षेत्र स्थित गांव मानपुर निवासी नरेश कुमार तीन जुलाई को अपने कैंटर से गाजियाबाद की ओर जा रहे थे। जब वह लालकुआं स्थित बीकानेर बिल्डिंग के सामने पहुंचे, तभी उन्होंने देखा कि एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद सड़क पर पलट गई है। दुर्घटना देखकर उन्होंने तत्काल अपना कैंटर रोक दिया, ताकि घायलों की मदद की जा सके।

स्वच्छ गाज़ियाबाद के असली नायकों का सम्मान, NAMASTE DAY पर विशेष कार्यक्रम

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाज़ियाबाद नगर निगम द्वारा NAMASTE योजना के अंतर्गत आयोजित NAMASTE DAY CELEBRATION में सफाई मित्रों की सुरक्षा और सम्मान को केंद्र में रखते हुए उन्हें पीपीई (पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट) किट वितरित की गई।

इस दौरान सफाई मित्रों को सीवर एवं मैनहोल की सफाई के दौरान सुरक्षा उपकरणों का नियमित रूप से उपयोग करने के लिए जागरूक भी किया गया। कार्यक्रम में आयुष्मान भारत योजना के तहत तीन सीवर एवं मैनहोल कर्मियों को 5 लाख तक के निःशुल्क उपचार की सुविधा का लाभ भी प्रदान किया गया।

नगर निगम अधिकारियों ने कहा कि सफाई मित्रों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान सुनिश्चित करना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा उनके कल्याण के लिए भविष्य में भी ऐसे प्रयास जारी रहेंगे।

सतर्क यातायात पुलिस ने 400 मीटर दौड़कर दबोचा जेबकतरा, चंद मिनटों में बरामद कराए 10 हजार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के हापुड़ तिराहा पर यातायात पुलिस ने अपनी सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से जेबकतरे की कोशिश को नाकाम कर दिया। मंगलवार को नए बस अड्डे की ओर से आ रही बस में भीड़ का फायदा उठाकर एक शातिर बदमाश यात्री के 10 हजार चोरी कर भाग निकला। पीड़ित के शोर मचाने पर ड्यूटी पर मौजूद यातायात पुलिसकर्मियों ने बिना देर किए आरोपी का पीछा शुरू किया और करीब 400 मीटर तक दौड़ने के बाद उसे रंगे हाथों पकड़ लिया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की पूरी रकम बरामद कर पीड़ित को वापस सौंप दी। इसके बाद आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए थाना कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। इस कार्रवाई से पीड़ित को तत्काल राहत मिली, वहीं मौके पर मौजूद लोगों ने यातायात पुलिस की मुस्तैदी, कर्तव्यनिष्ठा और त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

भाजपा ने बूथ सम्मेलन के लिए कसी कमर, 22 जुलाई की रणनीति पर हुआ मंथन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी महानगर गाजियाबाद की मासिक बैठक नवयुग मार्केट स्थित बैंक्विट हॉल में महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठन के पूर्व कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए आगामी अभियानों और 22 जुलाई को विधानसभा स्तर पर होने वाले बूथ सम्मेलन की तैयारियों को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई। बैठक में बूथ सम्मेलन को सफल बनाने के लिए कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि प्रदेश में चल रहे संगठनात्मक अभियानों में गाजियाबाद महानगर लगातार अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि डीएलपी (डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम) के तहत बूथ स्तर तक कार्यकताओं का डिजिटल पंजीकरण किया जा रहा है और उन्हें प्रमाण पत्र भी दिए जा रहे हैं। इस अभियान में भी गाजियाबाद प्रदेश के अग्रणी महानगरों में शामिल है।

उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी सभी अभियानों में कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ भागीदारी निभाते हुए गाजियाबाद को प्रदेश में शीर्ष स्थान दिलाने का कार्य करेंगे। बैठक का समापन पूर्व महापौर आशा शर्मा ने किया। उन्होंने कार्यकताओं से पार्टी के प्रत्येक अभियान को पूरी ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में शहर विधायक संजीव शर्मा, पूर्व एमएलसी सुरेश कश्यप, महानगर महामंत्री गौरव चोपड़ा, पंकज भारद्वाज, प्रदीप चौहान वाल्मीकि, महानगर उपाध्यक्ष सचिन डेढ़ा, रनीता सिंह, महेंद्र यादव, आशीष चौधरी, विनोद कसाना, भानु सिसोदिया, महानगर मीडिया प्रभारी नीरज शर्मा सहित सभी मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पिंक बूथ के बाहर युवक की मौत: परिजनों का पुलिस पर लापरवाही का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

मृतक

मृतक की मां

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मधुबन बापूधाम थाना क्षेत्र के संजयनगर सेक्टर-23 स्थित पिंक बूथ के बाहर 22 वर्षीय युवक राजकुमार की मौत के मामले में परिजनों ने पुलिस पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। मृतक के परिजनों का कहना है कि यदि समय रहते घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया जाता, तो उसकी जान बच सकती थी। मृतक के पड़ोसी एवं मित्र रितेश के अनुसार, राजकुमार मूल रूप से बिहार के सीवान का निवासी था और गाजियाबाद में ऑटो चलाकर परिवार का पालन-पोषण करता था। आरोप है कि 12 जुलाई को सवारी से विवाद होने के बाद वह शिकायत लेकर पुलिस चौकी पहुंचा, लेकिन अनजाने में महिला पुलिसकर्मियों के लिए बने पिंक बूथ पर चला गया। रितेश का आरोप है कि वहां उसकी शिकायत नहीं सुनी गई और बूथ का दरवाजा बंद कर दिया गया। इसके बाद युवक ने गुस्से में बूथ के शीशे पर हाथ मारा, जिससे शीशा टूट गया और उसके हाथ में गंभीर चोट लग गई। परिजनों का आरोप है कि अत्यधिक रक्तस्राव होने के बावजूद उसे लंबे समय तक समय पर चिकित्सा सहायता नहीं मिली। मृतक की मां ने भी पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। परिजनों ने बताया कि राजकुमार की शादी करीब एक वर्ष पहले हुई थी और उसकी पत्नी गर्भवती है। उनका यह भी आरोप है कि घटना की सूचना उन्हें काफी देर से दी गई। पहले अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी दी गई, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई तथा न्याय दिलाने की मांग की है। पुलिस की ओर से मामले की जांच की जा रही है।

विश्व युवा कौशल दिवस पर रोजगार मेले में 84 युवाओं को मिली नौकरी, 410 अभ्यर्थियों ने लिया हिस्सा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर मंगलवार को मुरादनगर स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के निर्देश पर आयोजित इस मेले में गाजियाबाद और एनसीआर क्षेत्र के 410 अभ्यर्थियों ने भाग लिया।

रोजगार मेले में आठ प्रतिष्ठित कंपनियों ने प्रतिभाग करते हुए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया। चयन प्रक्रिया के बाद कुल 84 युवाओं को उनकी योग्यता और ट्रेड के अनुरूप रोजगार के लिए चयनित किया गया। नौकरी मिलने पर चयनित अभ्यर्थियों ने खुशी जताई और ऐसे आयोजनों को युवाओं के लिए लाभदायक बताया। आईटीआई प्रशासन ने बताया कि इस तरह के रोजगार मेले युवाओं को सीधे उद्योगों से जोड़ने और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

स्कूल चलो अभियान को मिली नई उड़ान, पुस्तकों के साथ बच्चों को मिला उज्ज्वल भविष्य का संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद में 'स्कूल चलो अभियान-2026-27' के तहत पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय, कविनगर में जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक अजीत पाल त्यागी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया तथा विद्यार्थियों और शिक्षकों ने स्कूल चलो रैली निकालकर शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया गया।

विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और कोई भी बच्चा विद्यालय से वंचित नहीं रहना चाहिए। जिला विद्यालय निरीक्षक बुद्ध प्रिय सिंह ने नई शिक्षा नीति के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और व्यक्तित्व विकास पर बल दिया, जबकि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ.पी. यादव ने शत-प्रतिशत नामांकन और नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों एवं अभिभावकों से सहयोग की अपील की।

समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया तथा शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया।

हवन-पूजन के साथ हुआ अंकित डेरी का भव्य शुभारंभ, शहर विधायक संजीव शर्मा ने किया उद्घाटन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। 26 गोविंदपुरम स्थित बाबा मार्केट में भीषण अग्निकांड के बाद पुनर्निर्मित अंकित डेरी का आज वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधिवत हवन-पूजन के साथ भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर शहर विधायक माननीय संजीव शर्मा ने फीता काटकर प्रतिष्ठान का उद्घाटन किया, जबकि भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने नारियल फोड़कर नवीन प्रतिष्ठान के सफल संचालन की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं।कार्यक्रम धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। वैदिक विधि-विधान से हवन-पूजन के उपरांत अतिथियों ने अंकित डेरी परिवार को नई शुरूआत के लिए शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि कठिन परिस्थितियों का साहसपूर्वक सामना करते हुए पुनः अपने प्रतिष्ठान को स्थापित करना प्रेरणादायक उदाहरण है। इस अवसर पर विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बी.के. शर्मा 'हनुमान' की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियाँ व्यक्ति की दृढ़ इच्छाशक्ति की परीक्षा लेती हैं और अंकित डेरी परिवार ने संघर्ष, परिश्रम एवं आत्मविश्वास के बल पर पुनः अपने व्यवसाय को स्थापित कर समाज के सामने एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने ईश्वर से प्रतिष्ठान की निरंतर उन्नति एवं समृद्धि की कामना की।कार्यक्रम में कवि नगर थाना प्रभारी अनुराग शर्मा, कवि नगर श्री धार्मिक रामलीला समिति के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी ललित जायसवाल, समाजवादी पार्टी के पूर्व ब्लॉक प्रमुख संतोष यादव, व्यापारी नेता बालकिशन 'बालू' सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक, व्यापारी, समाजसेवी एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने अंकित डेरी के पुनर्निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के व्यापारिक पुनर्जीवन का शुभ संकेत बताया।अंकित डेरी के संचालक एवं विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष पंडित अंकित शर्मा ने समारोह में पधारे सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बाबा मार्केट में लगी भीषण आग के बाद अनेक लोगों का सहयोग, शुभकामनाएँ एवं विश्वास ही उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा बना। उन्होंने सभी सहयोगियों, शुभचिंतकों एवं ग्राहकों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आगे भी अंकित डेरी गुणवत्तापूर्ण उत्पाद एवं उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेगी।समारोह के अंत में उपस्थित सभी अतिथियों ने अंकित डेरी परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए प्रतिष्ठान की निरंतर उन्नति, समृद्धि एवं सफलता की कामना की। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, आत्मीयता एवं सामाजिक सौहार्द का वातावरण देखने को मिला। बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों ने नव-निर्मित प्रतिष्ठान का अवलोकन किया तथा इस नई शुरूआत को क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक एवं प्रेरणादायी कदम बताया।

मंडोली जेल से चल रहा था हथियारों का खेल! गाजियाबाद स्वाट टीम ने तीन तस्करों को दबोचा, भारी जखीरा बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट पुलिस के ऑपरेशन प्रहार के तहत स्वाट टीम ने अवैध हथियार तस्करी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने उनके कब्जे से बड़ी संख्या में अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे दिल्ली-एनसीआर में अवैध हथियारों की सप्लाई करते थे। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि उनके गिरोह का सरगना दिल्ली की मंडोली जेल में बंद है और उसी के निर्देश पर हथियारों की तस्करी का नेटवर्क संचालित किया जा रहा था। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और नेटवर्क से जुड़े लोगों की तलाश में जुट गई है।

एडिशनल पुलिस आयुक्त राजकरन नैय्यर ने बताया कि कमिश्नरेट पुलिस का ऑपरेशन प्रहार लगातार जारी है।

इसी अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि अवैध हथियारों और नशे के कारोबार में शामिल अपराधियों के खिलाफ आगे भी सख्त अभियान जारी रहेगा। पुलिस बरामद हथियारों के स्त्रोत, इनके इस्तेमाल और गिरोह के पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है। जल्द ही इस मामले में और गिरफ्तारियां होने की संभावना जताई जा रही है।

ऑपरेशन कन्विक्शन का असर: जानलेवा हमले के दोषी को 7 साल की सजा, 12 साल बाद मिला इंसाफ

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस के ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत वर्ष 2014 के हत्या के प्रयास के एक मामले में अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए सात वर्ष के कठोर कारावास और 20 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। पुलिस के अनुसार, 28 जनवरी 2014 को थाना इंदिरापुरम क्षेत्र में आरोपी रहीस अहमद ने वादी के ससुर पर तमंचे से फायर कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घटना के संबंध में थाना इंदिरापुरम में धारा 307/34 भादवि के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने साक्ष्यों को मजबूती से संकलित किया। पुलिस आयुक्त के निर्देशन में गठित कन्विक्शन सेल, विवेचक उपनिरीक्षक उम्मेद कुमार सिंह तथा सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता आदेश त्यागी की प्रभावी पैरवी के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोर्ट संख्या-03, गाजियाबाद ने आरोपी को दोषी करार देते हुए सात वर्ष के कठोर कारावास एवं 20 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। गाजियाबाद पुलिस का कहना है कि ऑपरेशन कन्विक्शन के माध्यम से गंभीर मामलों में प्रभावी विवेचना और सशक्त पैरवी कर अपराधियों को सजा दिलाने का अभियान लगातार जारी है।

20 सितंबर को हिंदी भवन, लोहिया नगर में धूमधाम से मनाया जाएगा विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा का विशाल स्थापना दिवस समारोह

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में आगामी 20 सितंबर को हिंदी भवन, लोहिया नगर, गाजियाबाद में महासभा का विशाल स्थापना दिवस समारोह भव्य एवं गरिमामय रूप से आयोजित किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने तथा विभिन्न व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श के लिए आज महासभा की एक विशेष बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता पंडित आचार्य बृज किशोर शर्मा 'बृजवासी' ने की, जबकि बैठक का सफल संचालन ब्रह्मऋषि विभूति बी.के. शर्मा 'हनुमान', पीठाधीश्वरे विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा द्वारा किया गया। बैठक में स्थापना दिवस समारोह को ऐतिहासिक, अनुशासित एवं समाज हित में प्रेरणादायी बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। उपस्थित पदाधिकारियों ने आयोजन को सफल बनाने हेतु अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए तथा विभिन्न समितियों के गठन एवं जिम्मेदारियों के निर्धारण पर भी सहमति व्यक्त की।बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष पंडित आचार्य बृज किशोर शर्मा 'बृजवासी' ने कहा कि विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा समाज को संगठित करने, युवा पीढ़ी में संस्कारों का संचार करने तथा राष्ट्र एवं समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

स्थापना दिवस समारोह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि समाज की एकता, संस्कृति एवं गौरव का प्रतीक होगा। बैठक का संचालन करते हुए ब्रह्मऋषि विभूति बी.के. शर्मा 'हनुमान' ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का आह्वान किया कि वे पूरे समर्पण एवं उत्साह के साथ आयोजन की तैयारियों में जुट जाएँ।

उन्होंने कहा कि 20 सितंबर का यह समारोह समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर लाकर संगठन की शक्ति का परिचय देगा। समारोह में सामाजिक, धार्मिक, शैक्षिक एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा तथा समाज के विशिष्ट व्यक्तित्वों का सम्मान भी प्रस्तावित है। महिला शक्ति प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा भार्गव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के उत्थान में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने महिला शक्ति से अधिक से अधिक संख्या में स्थापना दिवस समारोह में भाग लेकर संगठन को सशक्त बनाने का आह्वान किया।बैठक में डॉ. देवेंद्र शर्मा (राष्ट्रीय संगठन मंत्री), पंडित अमित शर्मा (महानगर अध्यक्ष), पंडित आलोकचंद शर्मा (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), पंडित ऋषिपाल शर्मा (उपाध्यक्ष), पंडित कपिल शर्मा (उपाध्यक्ष), पंडित लोकेश कौशिक (कोषाध्यक्ष), पंडित एन.के. शर्मा (प्रचारक) सहित विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि 20 सितंबर को हिंदी भवन, लोहिया नगर, गाजियाबाद में आयोजित होने वाला स्थापना दिवस समारोह अभूतपूर्व, ऐतिहासिक एवं समाज की एकता का प्रतीक बनेगा। इसके लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को कार्यक्रम में सहभागी बनने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।